मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार 18 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-303, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

पीएम नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सीएम मोहन यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया सेवा-संकल्प अभियान का शुभारंभ

50 लाख लोगों को नि:शुल्क रजिस्ट्री का उपहार

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामित्व योजना शुरू होने से ग्रामीण आबादी को उनका अधिकार मिलेगा। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के 41 हजार से अधिक गांवों में एक माह तक अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का अभियान चलाया जा रहा है। पैतृक और अपनी संपत्ति हर परिवार का सपना होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद श्री नितिन नवीन की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में निजी सम्पत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान करने के अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन का पहली बार मध्यप्रदेश की धरती पर आगमन हुआ है। हम सभी उनका अभिनंदन करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया है। हाल ही में नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान दुनिया ने इसे महसूस किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों के कल्याण के लिए कई योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्मदिवस है और भगवान विश्वकर्मा की भी जयंती है। भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि की रचना के साथ-साथ सभी प्रकार के छोटे काम करने वालों को स्वावलंबन की राह दिखलाई। राज्य सरकार छोटे कामगारों के साथ खड़ी है। हमारी सरकार ने लाड़ली बहनों के कल्याण के लिए 55 हजार करोड़ से अधिक राशि अब तक उनके खातों में अंतरित की है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध हो रहा है। बहनों को रोजगार आधारित उद्योग में काम करने पर हर माह 5000 रुपए की प्रोत्साहन राशि का लाभ अलग से मिलेगा। हमारी सरकार उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही हैं, जहां भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम के चरण पड़े हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं राज्यसभा सांसद श्री नवीन ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को निःशुल्क पंजीयन विलेख (रजिस्ट्री) प्रदान किए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 17 सितंबर 2025 को स्वस्थ नारी शक्ति परिवार योजना का शुभारंभ किया। वर्ष 2023 में इसी दिन देश के कारीगरों और शिल्पकारों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की। आज दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया-2026 का उद्घाटन हो रहा है। मध्यप्रदेश में 50 लाख लोगों को स्वामित्व योजना का लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर योजना में अंत्योदय के भाव को सर्वोपरि रखा है। प्रधानमंत्री के संकल्प से अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर और उज्जैन में श्रीमहाकाल महालोक का निर्माण हो चुका है। देश की 3 करोड़ से अधिक लखपति बहनें स्वावलंबी बनी हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं 93 लाख बहनें आजीविका मिशन के माध्यम से देश के विकास में योगदान दे रही हैं। युवाओं के लिए स्टार्टअप योजना और मुद्रा योजना संचालित हैं। देश में 2 लाख स्टार्टअप आगे बढ़ रहे हैं, जो दूसरों को रोजगार के अवसर दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सीमावर्ती गांवों में विकास को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गरीब-जरूरतमंदों को केंद्र में रखते हुए योजनाएं बनाई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकसित भारत @2047 का सपना देखा है। देश का हर नागरिक अपना विकास करेगा तो देश भी निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को सुशासन और जनकल्याण के कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

स्वामित्व योजना एक अनमोल उपहार : नितिन नवीन

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वामित्व योजना के रूप में एक अनमोल उपहार दिया है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, धर्म संस्कृति और जनसेवा के लिए मजबूत नींव रखी थी। उन्होंने विधवा बहनों को संपत्ति का अधिकार और कानूनी सुरक्षा देने की पहल की थी। इसी से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामित्व योजना के माध्यम से गरीब के सपनों को जमीन पर उतारने का सराहनीय कार्य किया है। इस योजना की शुरूआत देवी अहिल्या की नगरी इंदौर से हो रही है। यह रजिस्ट्री केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीण आबादी को स्वाभिमान से जीने का अधिकार है। दशकों से गांवों के लोगों को अपनी जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में स्वामित्व योजना लागू की, जिसका सुखद परिणाम अब मध्यप्रदेश में देखने को मिल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेशभर में करीब 68 लाख भूखंडों का सर्वे किया है। आज से पचास लाख लोगों को निःशुल्क रजिस्ट्री कर अधिकार दिलाने की शुरूआत हुई है। इसके लिए राज्य सरकार ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। आज भगवान विश्वकर्मा की जयंती है। देश के श्रमिक और मेहनतकश लोगों को भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद मिलता रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर हमने सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के बलबूते आज देश के 80 करोड़ घरों तक निःशुल्क अनाज पहुंचाया जा रहा है। कोविड के दौर में निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई गई। देशभर में गरीबों के जनधन बैंक खाते खोले गए। गरीब-जरूरतमंदों को स्वाभिमान से जीने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री जी ने पिछले 25 सालों से सेवा और समर्पण भाव से देश की सेवा की है। मध्यप्रदेश की धरती से हम सभी मिलकर प्रधानमंत्री श्री मोदी की दीर्घायु के लिए आशीर्वाद का दीया जलाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी जब किसी वैश्विक आयोजन में जाते हैं तो दुनिया में भारत का डंका बजता है।

आज पूरे देश के साथ मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्मदिवस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन भी पहली बार मध्यप्रदेश की धरती पर आए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी का पूरा जीवन सेवा, समर्पण और अंत्योदय को समर्पित रहा है, उन्होंने राजनीति को कभी सत्ता का साधन नहीं माना।

इसी पावन भावना को आधार बनाकर मध्यप्रदेश सरकार स्वामित्व योजना का शुभारंभ कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि हर गरीब और जरूरतमंद के पास उसका पक्का मकान होना चाहिए। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 अभियान के पुनीत कार्य में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विशेष सेवाभाव और समर्पण शामिल रहा है। यह सिर्फ कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि गरीब के स्वाभिमान और उनके स्वर्णिम भविष्य की पक्की मुहर है। प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन, बैंक खाते, पक्के मकान और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, दिल्ली से अलग नहीं चेन्नई

तमिलनाडु में हिंदी भाषा पढ़ाने से नहीं रोक सकते

एजेन्सी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बैंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से। कोर्ट की यह टिप्पणी तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई।

राज्य ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हर जिला में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती। राज्य की मुख्य आपत्ति नवोदय स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं को लेकर है। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषा की व्यवस्था है, जिसमें हिंदी भी शामिल है। वहीं, तमिलनाडु में दो भाषा की नीति लागू है। यहां तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है।

भोपाल में विशाल रक्तदान शिविर में रिकॉर्ड 708 यूनिट रक्त संग्रहित

मुख्यमंत्री ने जेपी अस्पताल पहुंचकर किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ

एक सत बुलेटिन, भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर प्रदेश में आरम्भ हुए ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ण के अंतर्गत राजधानी भोपाल में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत भोपाल जिले में आयोजित शिविरों का विधिवत शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जयप्रकाश (जेपी) अस्पताल पहुंचकर किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिविर का अवलोकन कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और मानव सेवा के इस पावन कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

'सेवा ही संकल्प' की भावना से प्रेरित होकर भोपाल जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रबंध किए गए। रक्तदान के लिए भोपाल जिले में कुल 29 रक्तदान केंद्र स्थापित किए गए थे, जहाँ प्रातःकाल से ही नागरिकों में रक्तदान के प्रति अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। स्वास्थ्य विभाग के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रामाणिक सहयोग से आयोजित इन शिविरों में जिलेभर में कुल 708 यूनिट जीवनदायिनी रक्त स्वेच्छापूर्वक संग्रहित किया गया। इन शिविरों में युवाओं, महिलाओं, समाज सेवियों तथा जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

रक्तदान करने वाले सभी दानदाताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके निःस्वार्थ सेवाभाव एवं उत्कृष्ट मानवीय योगदान का सम्मान किया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि रक्तदान महादान है, जो किसी असहाय व जरूरतमंद रोगी को नवजीवन प्रदान करता है। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस माहव्यापी सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भोपाल जिले में समाज के प्रत्येक वर्ग को निःस्वार्थ सेवा, पारस्परिक सहयोग और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ने का सशक्त प्रयास किया जा रहा है।

फ्रिज में मीट का खून और कॉकरोच भी मिले

108 साल पुराने ओलंपिया कॉफी हाउस का लाइसेंस सस्पेंड : किचन में यूरिनल

एजेन्सी, मुंबई

मुंबई के मशहूर 108 साल पुराने ओलंपिया कॉफी हाउस का फूड लाइसेंस महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने सस्पेंड कर दिया है। 16 सितंबर को ग्राहक की शिकायत के बाद FDA की टीम ने ओलंपिया कॉफी हाउस का निरीक्षण किया। कोलाबा स्थित रेस्टोरेंट की जांच में सफाई और खाने के रखरखाव से जुड़ी कई गंभीर कमियां मिलीं।

FDA के मुताबिक, फूड स्टोरेज एरिया और किचन में यूरिनल मिला। यहां कॉकरोच और मक्खियां भी पाई गईं। फ्रिज में मांस का खून मिला। कच्चे वेज और नॉनवेज खाने को अलग रखने की उचित व्यवस्था भी नहीं थी। जांच में खाना फर्श पर रखना, गंदे पानी का इस्तेमाल और अस्वच्छ तरीके से खाना बनाने जैसी कमियां मिलीं। बर्तन धोने की जगह गंदी थी और खाना काटने वाले लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड भी खराब हालत में थे। कर्मचारियों के लिए जरूरी सुरक्षात्मक कपड़े भी नहीं मिले। FDA के मुताबिक, रेस्टोरेंट में 35 फूड हैंडलर काम करते हैं। इनमें 34 ने जरूरी फूड सेफ्टी ट्रेनिंग नहीं ली थी। जांच में पानी की अनिवार्य रिपोर्ट और सैनिटेशन रिकॉर्ड भी नहीं मिले।

इन कमियों के चलते FDA ने फूड लाइसेंस तत्काल सस्पेंड कर दिया। लाइसेंस बहाल होने तक रेस्टोरेंट खाना खरीद, बना, स्टोर, बेच या बांट नहीं सकता। कमियां दूर करने और FDA की दोबारा जांच के बाद ही आगे फैसला होगा।

140 करोड़ से ज्यादा आबादी के हित देखना पहली प्राथमिकता

ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ बिल के आगे नहीं झुकेगा भारत

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत सरकार ने अमरीका की संसद में रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाले कानून के पास होने का संज्ञान लेते हुए कहा है कि वह इस मामले में आगे होने वाले घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। भारत ने साफ किया है कि देश की 140 करोड़ से ज्यादा आबादी की ऊर्जा जरूरतें पूरी करना उसकी प्राथमिकता है।

अमरीका नए कानून के जरिए भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी में है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए अलग-अलग देशों से तेल और गैस खरीदना जारी रखेगा और बाजार में बदलाव के हिसाब से फैसले लेगा। भारत ने कहा कि इस मुद्दे पर हाल के महीनों में अमरीकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तर पर बातचीत हुई है। भारत ने अमरीका को यह भी बताया है कि इन प्रतिबंधों का असर सिर्फ भारत-अमरीका संबंधों पर नहीं, बल्कि पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है।

भारत ने कहा है कि वह अपने व्यापार और आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। बयान में कहा गया है कि सरकार भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर इन नए घटनाक्रम के संभावित असर से निपटने की तैयारी करेगी। भारत का संदेश साफ है कि रूस से तेल खरीदने समेत उसकी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े फैसले उसके अपने हितों और बाजार की स्थिति को देखकर लिए जाएंगे। गौरतलब है कि अमरीकी संसद में रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाला बिल पास हो गया है। यह कानून राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद लागू हो जाएगा। भारत और चीन समेत कई देश रूस से तेल खरीदते हैं। यूएस में नए कानून के पास होने के बाद ट्रंप को 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार मिल गया है।

अमरीका-हूतियों में गुप्त समझौता, अमरीकी जहाजों पर हमला नहीं करेंगे विद्रोही, बदले में सऊदी की मदद नहीं करेगा यूएस

वाशिंगटन, सना। अमरीका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ चुपचाप एक गुप्त समझौता किया है। समझौते के मुताबिक, हूती विद्रोहियों ने कहा है कि वे लाल सागर में अमरीकी और अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे। वहीं, अमरीका ने वादा किया है कि वह हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब की मदद नहीं करेगा। यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओमान की राजधानी मस्कट स्थित अमरीकी दूतावास में अमरीकी अधिकारियों और हूती विद्रोहियों के बीच बैठक हुई थी। इसमें हूतियों ने अमरीका को आश्वासन दिया कि दोनों पक्षों के बीच 2025 में हुआ युद्धविराम समझौता अभी भी लागू है और वे लाल सागर में अमरीकी जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे। इसी बैठक में अमरीका ने सऊदी अरब का समर्थन न करने का फैसला किया है। मार्च, 2025 में ट्रंप प्रशासन ने हूती विद्रोहियों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। हालांकि, अमरीका इस समूह के साथ लगातार बातचीत में शामिल रहा है। दोनों के बीच पिछले साल मई में युद्धविराम पर भी सहमति बनी थी।

न्यूज ब्रीफ

पीएनबी पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई

जबलपुर। ऑल इंडिया पीएनबी पेंशनर्स एसोसिएशन जबलपुर यूनिट कार्यकारिणी की एक बैठक विगत दिवस राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम मल्होत्रा के आदर्श नगर स्थित निवास स्थान पर आयोजित की गई। जिसमें श्री मल्होत्रा ने 23 सितंबर को एसोसिएशन द्वारा भुवनेश्वर में छात्र अभिनंदन समारोह एवं रायपुर में 22 नवंबर को केंद्रीय कार्यकारिणी कमेटी की बैठक होने की जानकारी दी। बैठक में सदस्य संख्या के विस्तार एवं मासिक सहयोग राशि पर विस्तार से उपस्थित सभी सदस्यों ने चर्चा की। श्रीमती रेणु मल्होत्रा द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई। बैठक की अध्यक्षता राघवेंद्र निगम एवं आभार प्रदर्शन विजय गुप्ता ने किया।

हनुमानताल में तैरता मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

जबलपुर। शहर के हनुमानताल में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब तालाब के पानी में एक व्यक्ति का शव तैरता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही हनुमानताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। मृतक की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में शिनाख्त के प्रयास कर रही है।पुलिस के अनुसार, नगर निगम के सुपरवाइजर रोहित नन्हेट ने सुबह थाने में सूचना दी थी कि हनुमानताल में एक व्यक्ति का शव पानी में तैर रहा है। सूचना पर एएसआई विनोद सूर्यवंशी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को तालाब से बाहर निकलवाया।पुलिस के प्रारंभिक निरीक्षण में मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है। उसके शरीर पर केवल अंतःवस्त्र थे। मौके से ऐसा कोई दस्तावेज अथवा अन्य सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। शुरुआती निरीक्षण में शरीर पर गंभीर चोट या चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं।

विजयनगर में अतिक्रमण पर कार्रवाई क्यों नहीं .. ?

जबलपुर। विजयनगर क्षेत्र में नगर निगम की बाजार बैठकी वसूली और अतिक्रमण नियंत्रण व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने के बावजूद कई जगह अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई है। दूसरी ओर, इन्हीं कारोबारियों से बाजार बैठकी वसूले जाने की बात सामने आ रही है। ऐसे में राजस्व व अतिक्रमण अमले के बीच समन्वय को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वसूली व्यवस्था की पारदर्शिता भी जांच के दायरे में है। निगम से जुड़े सवाल यह हैं कि विजयनगर में बैठकी वसूलने के लिए कौन अधिकृत है, रोजाना कितनी राशि एकत्र की जाती है और वह निगम के खाते में किस प्रक्रिया से जमा होती है। यदि वसूली का जिम्मा नियमित अमले के बजाय किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी या बाहरी व्यक्ति को दिया गया है तो उसकी नियुक्ति और अधिकार का रिकॉर्ड भी स्पष्ट होना चाहिए। निगम द्वारा अधिकृत वसूलीकर्ताओं की सूची, पहचान पत्र, रसीद व्यवस्था और जमा राशि का रिकॉर्ड सामने आने से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

मन मूषक है हमें गणेश जी सदृश्य उस पर सवारी करना है

एक सत बुलेटिन, जबलपुर (गौरीघाट)

प्रमोद महाराज- महंत रजत गणेश मंदिर

ललपुर रोड, गौरीघाट स्थित श्री रजत गणेश मंदिर में आज भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, रामलला मंदिर के महंत पूज्यपाद स्वामी इंद्रभानु महाराज के सानिध्य में जिसमें विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश जी का सहस्त्रार्चन पूजन चांदी के सिक्कों से संपन्न हुआ। यह अनुष्ठान मंगल सेवा संस्था की डॉ ममता साहू, श्रीमती ज्योति राय, डॉ किरण , श्रीमती सुनीता वरनवाल , श्रीमती किरण कांड , कुमारी रजनी और श्रीमती अंजू कर सहित 101 महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर पूर्ण किया। जिसमें श्री राम किशोर का विशेष एवं सराहनीय सहयोग रहा। सहस्त्रार्चन के पश्चात मंदिर के महंत श्री प्रमोद महाराज जी ने अपने उद्बोधन में कहा, 'भगवान श्री गणेश सांकेतिक रूप से हमें है बताते हैं कि मूषक हमारे मन सदृश है। मन बहुत चंचल होता

है। हमें मन के ऊपर सवारी करना है ना की मन हमारी सवारी करें। हमें यह प्रेरणा मिलती है कि मन के ऊपर हमारा नियंत्रण होना चाहिए । इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से कुमारी हेमा कर श्रीमती कुसुम शर्मा, श्रीमती प्रीति शर्मा राजकुमार शर्मा श्री वीरेंद्र पांधी श्रीमती दामनी पांधी की उपस्थिति उल्लेखनीय थी । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रवि राय ने किया। अनुष्ठान के उपरांत प्रसाद स्वरूप विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम अत्यंत भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

डॉ. रवि राय
संयोजक, श्री रजत गणेश मंदिर ललपुर रोड, गौरी घाट, जबलपुर

जबलपुर ग्वारीघाट स्थित श्री रजत गणेश मंदिर में सहस्रार्चन और भव्य आरती

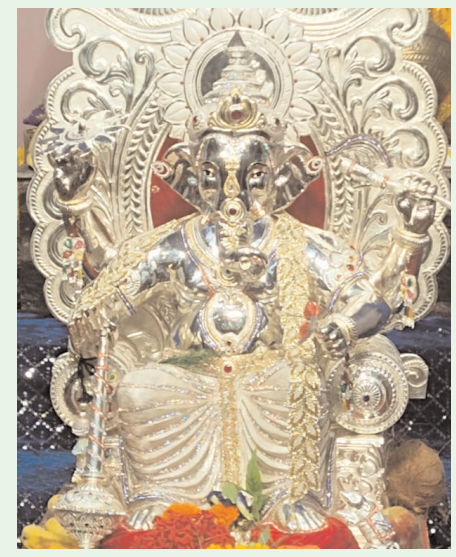

एक सत बुलेटिन जबलपुर। जबलपुर तलापुरा रोड, ग्वारीघाट स्थित श्री रजत गणेश मंदिर में मंगलवार को भगवान श्री गणेश का सहस्रार्चन एवं भव्य आरती श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश उमेश चंद्र माहेश्वरी द्वारा प्रेषित विशेष संदेश मंदिर के महंत स्वामी प्रमोद महाराज ने श्रद्धालुओं के समक्ष पढ़कर सुनाया। संदेश में भगवान श्री गणेश को बुद्धि, विवेक एवं विघ्नहर्ता का प्रतीक बताते हुए कहा गया कि गणेश पूजन से कार्य के शुभारंभ के साथ मन में सकारात्मकता और सही विवेक जागृत करने की प्रेरणा मिलती है। श्रद्धालुओं को धैर्यपूर्वक सुनने, सूक्ष्म दृष्टि से विचार करने तथा समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में रामलला मंदिर के महंत पंडित इंद्रभानु महाराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि राय ने किया। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण एवं भव्य भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

एसपी ने रक्तदान कर बढ़ाया उत्साह

जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए 70 पुलिसकर्मियों ने किया रक्तदान

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाली जबलपुर पुलिस ने मानवता की सेवा की मिसाल पेश करते हुए रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में 17 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय और पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जबलपुर पुलिस, विक्टोरिया अस्पताल और रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में 70 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने रक्तदान कर 70 यूनिट रक्त संग्रहित कराया।

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने स्वयं रक्तदान कर पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाया। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. आयुष जाखड़ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह ने भी रक्तदान किया। पुलिस अधिकारियों के रक्तदान करने से अन्य पुलिसकर्मियों को भी सामाजिक सेवा के लिए प्रेरणा मिली। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने लिया हिस्सा रक्तदान करने वालों में नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली अखिलेश गौर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष शुक्ला, रक्षित निरीक्षक अमित शिववंशी, राहुल सिंह, थाना प्रभारी यातायात

गढ़ा मनीष प्यासी और चौकी प्रभारी उखरी उप निरीक्षक सरिता पटेल सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन और विभिन्न थानों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। शिविर के दौरान कुल 70 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

जबलपुर पुलिस द्वारा आयोजित इस शिविर के माध्यम से पुलिसकर्मियों ने कानून-व्यवस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रतिबद्धता भी दिखाई। जबलपुर पुलिस, विक्टोरिया अस्पताल और रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। शिविर में 70 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने रक्तदान कर 70 यूनिट रक्त संग्रहित कराया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने स्वयं रक्तदान कर पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाया। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. आयुष जाखड़ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह ने भी रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली अखिलेश गौर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष शुक्ला, रक्षित निरीक्षक अमित शिववंशी, राहुल सिंह, थाना प्रभारी यातायात गढ़ा मनीष प्यासी और चौकी प्रभारी उखरी उप निरीक्षक सरिता पटेल सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन और विभिन्न थानों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया संतान सप्तमी का पर्व, संतान के दीर्घायु की कामना को लेकर महिलाओं ने किया व्रत

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

संतान सप्तमी का पर्व शहर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना को लेकर व्रत रखा। दिनभर उपवास के बाद भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। संतान सप्तमी के अवसर पर महिलाओं ने सुबह स्नान-ध्यान कर व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा कर संतान के स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु होने की कामना की। पूजा में मालपुआ सहित विभिन्न पूजन सामग्री का उपयोग किया गया। पर्व की विशेष परंपरा के तहत महिलाओं ने चांदी की अंगूठी और चूड़ियों की पूजा की। मान्यता के अनुसार इनमें हर वर्ष थोड़ी-थोड़ी चांदी बढ़वाई जाती है। इसके बाद चांदी के आभूषण को दूध से धोकर संतान के नाम से धारण किया जाता है। महिलाओं ने पूजा के दौरान अपनी संतान की उन्नति और खुशहाल जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना की। भाद्रपद शुक्ल सप्तमी को मनाया जाता है पर्व ज्योतिषाचार्य पी.एल. गौतमाचार्य ने बताया कि संतान सप्तमी का पर्व भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा का विधान है। महिलाएं उत्तम संतान की प्राप्ति तथा संतान की लंबी आयु की कामना से यह व्रत रखती हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु महिलाएं पूरे दिन व्रत रखकर पूजा-अर्चना करती हैं और संतान के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं।

खेत में कटी बिजली की तार से करंट लगने के मामले में मालिक को 2 साल की सजा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

खेत में बिजली की कटी हुई तार जमीन पर पड़े रहने और सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम नहीं किए जाने से एक व्यक्ति के करंट की चपेट में आने के मामले में न्यायालय ने खेत मालिक को दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। जेएमएफसी सिहोरा सुश्री दीपशिखा दांगी की अदालत ने आरोपी राजकिशोर पटेल को धारा 338 भादवि के तहत दोषी पाते हुए दो वर्ष के सश्रम कारावास और 1,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन के अनुसार घटना 2 अप्रैल 2020 की रात करीब 10 बजे की है। राकेश चौधरी, राजकिशोर पटेल के खेत में उड़द की फसल में पानी लगाने गया था। पानी लगाते समय पाइप लाइन बदलने के दौरान खेत में बिजली की तार कटी हुई और जमीन पर पड़ी थी। आरोप है कि खेत मालिक द्वारा सुरक्षा के आवश्यक उपाय नहीं किए गए थे। इसी दौरान राकेश चौधरी बिजली के करंट की चपेट में आ गया और खेत में पड़ा मिला। घटना की सूचना के आधार पर थाना गोसलपुर में धारा 337 और 338 भादवि में प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण की विवेचना के बाद न्यायालय में चालान पेश किया गया7 एडीपीओ सिहोरा अजय दुबे ने शासन की ओर से पैरवी की। अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुना दी।

मोदी के जन्मदिन पर कांग्रेस का सद्बुद्धि यज्ञः बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत से लेकर महंगाई के मुद्दे पर घेरा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर जिला कांग्रेस कमेटी, शहर जबलपुर ने गुरुवार को मालवीय चौक पर शाम 6 बजे 'सद्बुद्धि यज्ञ' आयोजित कर केंद्र एवं भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यज्ञ के माध्यम से सरकार को जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की और विभिन्न मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग उठाई। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने इस अवसर पर बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत, नीट-यूजी 2026 में कथित पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी से छोटे कारोबारियों की परेशानियों, नोटबंदी, किसानों के आंदोलन और मणिपुर की स्थिति सहित कई मुद्दों को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बालाघाट में बैगा आदिवासी बच्चों की मौत का मामला बेहद गंभीर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वहां बच्चों की मौत और बीमारी का सिलसिला सामने आया है तथा बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण से भी प्रभावित बताए गए हैं। कांग्रेस ने सरकार से स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवस्था को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग की।

नीट मामले को लेकर भी सरकार पर निशाना.....

कांग्रेस ने नीट-यूजी 2026 में कथित पेपर लीक के मामले को भी प्रदर्शन का प्रमुख मुद्दा बनाया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना जरूरी है। उन्होंने सरकार से छात्रों की समस्याओं को प्राथमिकता देने की मांग की। कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी और छोटे कारोबारियों की समस्याओं को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। नेताओं ने कहा कि आम परिवारों की रसोई पर बढ़ती कीमतों का असर पड़ रहा है, जबकि छोटे व्यापारियों के सामने कारोबार की लागत और रोजगार से जुड़ी चुनौतियां हैं। कांग्रेस ने किसानों के आंदोलन और तीन कृषि कानूनों की वापसी, कोरोना काल में ऑक्सीजन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तथा प्रवासी मजदूरों की परेशानियों का भी उल्लेख किया।

ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए टावरों की अर्थिंग को मजबूत बनाने के प्रयासों की सराहना की

एमपी ट्रांसको के रिसर्च का पूरे पावर सेक्टर को मिले लाभ : प्रबंध संचालक तिवारी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने 220 केवी सब स्टेशन नयागांव, जबलपुर से निकलने वाली 132 केवी नयागांव व्हीकल फैक्ट्री-विनोबा भावे लाइन पर टावरों की अर्थिंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए कंपनी के अभियंताओं द्वारा किए गए नवाचारों और रिसर्च आधारित कार्यों का फील्ड में पहुंचकर निरीक्षण किया। जबलपुर विकास प्राधिकरण की स्कीम नंबर 65 के नजदीक टावरों की अर्थिंग सुधार के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी तकनीकी नवाचार की सफलता तभी मानी जाएगी, जब उसका लाभ केवल मध्य प्रदेश तक सीमित न रहकर देश के अन्य पावर सेक्टर संगठनों को भी प्राप्त हो। निरीक्षण के दौरान श्री तिवारी ने ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए टावरों की अर्थिंग को मजबूत बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टावर फुटिंग रेजिस्टेंस (टीएफआर) को निर्धारित मानकों के अनुरूप लाने का

कार्य प्राथमिकता और सटीकता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि कमजोर अर्थिंग के कारण होने वाली ट्रिपिंग की घटनाओं को कम करने तथा लाइन की विश्वसनीयता बढ़ाने में यह कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस डी.के. अग्रवाल, मुख्य अभियंता (कार्य) सतीश दुबे,अधीक्षण अभियंता आर.एस. पांडे, कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस. चौहान, हर्ष श्रीवास्तव, जितेंद्र तिवारी तथा सहायक अभियंता राजेश तिवारी उपस्थित थे।अनुसंधान से बेहतर होगी बिजली व्यवस्था श्री तिवारी ने कहा कि बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका है। नई तकनीकों के उपयोग से पारेषण तंत्र की क्षमता बढ़ाने, तकनीकी क्षति कम करने और विद्युत आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों को अनुसंधान आधारित कार्यों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड में आने वाली समस्याओं के व्यावहारिक समाधान विकसित किए जाएं और सफल नवाचारों को पावर सेक्टर की अन्य संस्थाओं के साथ साझा किया जाए।

'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान' के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में 'संपर्क अभियान 2026' को मिली बड़ी सफलता

5601 शिविरों में 2 लाख 46 हजार से अधिक शिकायतों का मौके पर निराकरण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल/ग्वालियर**

17 सितम्बर। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित 'संपर्क अभियान 2026' को उल्लेखनीय सफलता मिली है। 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के अंतर्गत भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 5,601 विशेष शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 2 लाख 46 हजार 297 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। अभियान के माध्यम से उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर सुविधाजनक एवं त्वरित समाधान उपलब्ध कराते हुए विद्युत सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भोपाल के वृत्तों में लगे शिविर

भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 421 शिविरों में 25,736 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल (ओ एंड एम) वृत्त में 506 शिविरों में 30,838 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 276 शिविरों में 10,412 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 150 शिविरों में 18,742 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 399 शिविरों में 30,512 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 282 शिविरों में 17,837 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 396 शिविरों में 5,667 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 377 शिविरों में 8,417 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 238 शिविरों में 12,295 शिकायतों का निराकरण किया गया।

ग्वालियर रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त ग्वालियर में 331 शिविरों में 7,755 शिकायतों का निराकरण किया गया। वहीं अशोकनगर वृत्त में 165 शिविरों में 17,684, भिंड (ओ एंड एम) वृत्त में 315 शिविरों में 6,279, दतिया (ओ एंड एम) वृत्त में 195 शिविरों में 8,447, गुना वृत्त में 285 शिविरों में 9,688, ग्वालियर (ओ एंड एम) वृत्त में 258 शिविरों में 4,592, मुरैना वृत्त में 437 शिविरों में 18,180, श्योपुर (ओ एंड एम) वृत्त में 198 शिविरों में 5,231 तथा शिवपुरी वृत्त में 372 शिविरों में 7,985 शिकायतों का निराकरण किया गया।

इन शिकायतों और सेवाओं पर हुआ त्वरित काम

इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान करना है। शिविरों में मुख्य रूप से त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग एवं अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। साथ ही मात्र 5 रुपये में नवीन ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन प्रदान किए गए। इसके अलावा भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थायी कनेक्शन विच्छेदन, अस्थायी कनेक्शन, ई-केवाईसी, अनापत्ति प्रमाण-पत्र , बंद/खराब मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों का निराकरण, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज संबंधी समस्याओं का समाधान, ट्रांसफार्मर से जुड़ी शिकायतों का निराकरण, बिजली बिलों का आंशिक एवं पूर्ण भुगतान, अग्रिम भुगतान पर छूट, बकाया राशि जमा कराने सहित विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्रदान किए गए।

सेहतगंज ग्राम पंचायत से ''स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026'' का शुभारंभ

अब गांवों में संपत्ति का पक्का अधिकार ग्रामीणों को मिलेगा मजबूत दस्तावेज

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत रायसेन जिले की ग्राम पंचायत सेहतगंज में सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग की सचिव और तथा अभियान की जिला प्रभार अधिकारी श्रीमती शिल्पा गुप्ता, भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की उपस्थिति में ''स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026'' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ. चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि में अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं। आज से शुरू हुए अभियान में स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में लगभग 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का निःशुल्क पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के लिए नागरिकों से स्टाम्प ड्यूटी अथवा पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसकी संपूर्ण राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी।उन्होंने बताया कि योजना के

सांची विधायक डॉ चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष मीणा तथा संभागायुक्त शर्मा शुभारंभ कार्यक्रम में हुए शामिल

अंतर्गत हितग्राहियों की संपत्ति के आधार पर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के लिए निर्मित निजी अधिकार अभिलेखों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के बाद नागरिक गृह निर्माण, व्यवसाय, कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इससे उनकी आजीविका एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन का निर्णय लेने वाला मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है। राज्य सरकार की यह पहल ग्रामीण नागरिकों को संपत्ति का सुदृढ़ दस्तावेजी अधिकार देने के साथ वित्तीय समावेशन, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगी। इसका लाभ आगामी वर्षों में लाखों हितग्राहियों को

प्राप्त होगा। भोपाल संभागायुक्त श्री शर्मा ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान कहा कि रायसेन जिले में सेहतगंज से स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 का शुभारंभ हुआ है। इसमें प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें आवेदन के लिए हितग्राही के आबादी भूखंड की लैंड लिंकिंग तथा आवेदक की समग्र आईडी से ई-केवाईसी अनिवार्य होगी। आवेदन प्रक्रिया 'सारा' मोबाइल एप के माध्यम से संचालित होगी। 'संपदा' एप पर पंजीयन अधिकारी द्वारा विलेख (रजिस्ट्री) का पंजीयन किया जाएगा। संबंधित प्रक्रिया में भूलेख एप/पोर्टल के माध्यम से भूमि स्वामी की आधार ई-केवाईसी एवं लैंड लिंकिंग की कार्यवाही की जाएगी।साथ ही 'सारा' एप पर निष्पादन और 'संपदा' एप पर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि योजना के क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा पटवारी को निष्पादन अधिकारी तथा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पीसीओ एवं एडीईओ को पंजीयन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इससे पंजीयन प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर ही पूरी की जा सकेगी। पंजीयन पूर्ण होने के बाद पंजीयन विलेख हितग्राही के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। जिला स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग एवं मैदानी समीक्षा की जाएगी, जिससे अभियान निर्धारित समय-सीमा में पूरा हो सके। इस अभियान को एक माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना से संबंधित जानकारी एवं सहायता के लिए स्टेट लेवल डेडिकेटेड हेल्पडेस्क की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र में 12 लाख 47 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को आधुनिक, पारदर्शी एवं डिजिटल विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य निरंतर किया जा रहा है। अब तक 12 लाख 47 हजार 523 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वृत्तवार स्मार्ट मीटर स्थापना में भोपाल शहर वृत्त में 4,91,572, सीहोर में 91,379, ग्वालियर शहर में 90,353, विदिशा में 87,794, नर्मदापुरम में 83,472, रायसेन में 54,718, बैतूल में 53,288, भोपाल (ओएंडएम) में 50,285, शिवपुरी में 33,253, गुना में 32,329, राजगढ़ में 30,770, भिंड में 30,199, हरदा में 29,569, ग्वालियर (ओएंडएम) में 26,438, मुरैना में 23,123, दतिया में 18,664, अशोकनगर में 10,957 तथा श्योपुर में 9,360 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर

के माध्यम से उपभोक्ताओं को सटीक एवं पारदर्शी बिलिंग, बिजली खपत की रियल-टाइम जानकारी, ऑनलाइन मॉनिटरिंग तथा बेहतर उपभोक्ता सेवाओं का लाभ मिल रहा है। साथ ही बिजली वितरण प्रणाली को अधिक सक्षम, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित हो रही है। उपभोक्ताओं को घरेलू स्मार्ट मीटर से मिलने वाले फायदे 1. ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। 2. बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। 3. ऐप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। 4. ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं।

नमो युवा शक्ति कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं ने उत्साह से लिया हिस्सा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

युवाओं में उत्साह, नेतृत्व क्षमता, खेल भावना एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बरखेड़ी कला, भोपाल में जिला स्तरीय 'नमो युवा शक्ति' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत भोपाल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वंदना शर्मा, जिला पंचायत भोपाल के उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह जाट, सदस्य श्रीमती चन्द्रेश सिंह राजपूत, जनपद पंचायत फंदा के अध्यक्ष श्री प्रमोद सिंह राजपूत, जिला परियोजना प्रबंधक मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल डॉ. रेखा पाण्डेय सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने युवाओं से अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करते हुए समाज एवं देश के

विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं एवं महिलाओं को योग के महत्व की जानकारी दी गई तथा योगाभ्यास भी कराया गया। प्रतिभागियों के लिए पौष्टिक अल्पाहार की स्टॉल भी लगाई गई। इसके अलावा नींबू रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। विभिन्न गतिविधियों, संवाद सत्रों एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध अवसरों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उपस्थित अतिथियों ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

आनंदपुर में शताब्दी समारोह पर यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा

भोपाल। श्री आनंदपुर (ललितपुर) में आयोजित पवित्र शताब्दी समारोह के अवसर पर यात्रियों की सुविधा एवं बढ़ने वाले यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए भोपाल मंडल होकर संचालित गाड़ी संख्या 11058/11057 अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस का ललितपुर स्टेशन पर ठहराव समय अस्थायी रूप से बढ़ाया गया है। रेल प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार दिनांक 15 सितम्बर 2026 से 25 सितम्बर 2026 तक उक्त ट्रेन का ललितपुर स्टेशन पर ठहराव समय 02 मिनट से बढ़ाकर 05 मिनट किया गया है। यह अतिरिक्त ठहराव व्यवस्था यात्रियों की सुविधा तथा श्री आनंदपुर (ललितपुर) में आयोजित शताब्दी समारोह में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए की गई है।

रानी कमलापति-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन के 04-04 फेरे, मिलेगी रेल सुविधा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा पर्व के दौरान बढ़ने वाले अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में रानी कमलापति-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन के 04-04 फेरे चलाए जाएंगे। गाड़ी संख्या 02192 रीवा-रानी कमलापति साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को 17 एवं 24 अक्टूबर तथा 07 एवं 14 नवम्बर 2026 को रीवा स्टेशन से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 21:15 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। इस प्रकार इस दिशा में कुल 04 सेवाएं संचालित होंगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02191 रानी कमलापति-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को 17 एवं 24 अक्टूबर तथा 07 एवं 14 नवम्बर 2026 को रानी कमलापति स्टेशन से रात 22:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 07:20 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। इस दिशा में भी कुल 04 सेवाएं संचालित होंगी। यह पूजा स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा,

मैहर एवं सतना स्टेशनों पर ठहरेगी। इससे इन स्टेशनों एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को पर्व के दौरान अतिरिक्त रेल सुविधा का लाभ मिलेगा। इस स्पेशल ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए 7 स्लीपर, 3 थर्ड एसी, 3 थर्ड एसी इकोनामी, 2 सेकेंड एसी, 1 फस्ट एसी, 4 सामान्य श्रेणी, 1 जनरेटर कार एवं 1 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच होंगें। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे पर्व के दौरान उपलब्ध इस अतिरिक्त रेल सुविधा का लाभ उठाएं। ट्रेन के ठहराव एवं विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी के लिए रेलवे पूछताछ प्रणाली की वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त करें अथवा एनटीईएस का उपयोग करें।

कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने रक्तदान कर किया शिविर का शुभारंभ

रक्तदान महादान, पीड़ित मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यमः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय रीवा के कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में वृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वयं रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी, श्री वीरेंद्र गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी रक्तदान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। रक्तदान महादान है और पीड़ित मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। दुर्घटना में घायल व्यक्तियों तथा गंभीर

रोगों से पीड़ित मरीजों के उपचार में रक्त की आवश्यकता होती है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आएं और जरूरतमंदों की जीवन रक्षा में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि सामान्यतः स्वस्थ 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग के पात्र व्यक्ति चिकित्सकीय जांच

के उपरांत रक्तदान कर सकते हैं। नियमित रक्तदान के लिए निर्धारित अंतराल एवं रक्त केंद्र की चिकित्सकीय सलाह का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वयं रक्तदान करने से उन्हें आत्मिक प्रसन्नता हुई और अधिक से अधिक नागरिकों को इस सेवा कार्य में सहभागी बनना चाहिए। शिविर में रीवा संभाग के कमिश्नर श्री शीलेंद्र सिंह सहित अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने रक्तदान किया।

रीवा जिले में यहां भी रक्तदान शिविर

रीवा जिले में इच्छुक एवं पात्र नागरिक मनगवां, जवा, सिरमौर, सेमरिया, गंगेव एवं गोविंदगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा त्योंथर के सिविल अस्पताल में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों में पहुंचकर रक्तदान कर सकते हैं। नागरिकों से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर पीड़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान दें।

संपादकीय

ट्रंप का नया टैरिफ बम

अमरीकी कांग्रेस (संसद) ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों वाला नया बिल पारित कर दिया है। सीनेट (हमारी राज्यसभा के समान) ने पहले ही 86-11 मतों से पारित कर दिया था। अब अमरीकी समयानुसार, 16 सितंबर, बुधवार, को प्रतिनिधि सभा (लोकसभा के समान) ने भी 262-159 मतों से यह बिल पास कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर करने की औपचारिकता के बाद यह कानून बन जाएगा। उसी के साथ राष्ट्रपति का संवैधानिक विशेषाधिकार बढ़ जाएगा कि वह किसी भी देश पर, शून्य से 100 फीसदी तक, टैरिफ थोप सकते हैं। टैरिफ कम या ज्यादा भी कर सकते हैं। दरअसल इस बिल के पारित होते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ बम फोड़ दिया है। हालांकि इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने जब कई देशों पर मनमाना टैरिफ थोपा था, तो अमरीकी सर्वोच्च अदालत ने उसे अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब नया कानून बनने के बाद भी न्यायपालिका इसकी समीक्षा कर सकती है, लेकिन उसे खारिज करना आसान नहीं होगा। बिल में जिन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का संदर्भ था, उसमें भारत, चीन, हंगरी, स्लोवाकिया, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, कजाकिस्तान, तुर्किये आदि देशों के नाम उल्लेखनीय हैं। इनमें अधिकतर अमरीका-समर्थक या मित्र देश हैं। भारत को तो अमरीका लगातार रणनीतिक साझेदार मानता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को डियर फ्रेंड कहते और उनकी महानता का गुणगान करते नहीं थकते। यह सार्वजनिक है और दोनों नेता आपस में गलबहियां डालते रहे हैं। यह कैसी दोस्ती है? दोस्ती और फिर 100 फीसदी टैरिफ का बोझ!! भारत अमरीकी बाजार में अप्रासंगिक हो सकता है! कोई भी ग्राहक महंगी चीज क्यों खरीदेगा? भारत के रत्न, कीमती पत्थर, जवाहरात, वस्त्र और फार्मा आदि के निर्यातकों का तो दम ही निकल जाएगा! भाड़ में जाए ऐसी दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी!

भारत सरकार को भी टैरिफ का जवाब टैरिफ से ही देना चाहिए। यही नहीं, अपना तुरुप का पत्ता भी खेलते हुए स्पष्ट करना चाहिए कि ट्रंप के टैरिफवाद के मद्देनजर भारत अमरीका के साथ व्यापार समझौता फिलहाल स्थगित करता है। भारत ऐसे समझौते पर अधिक, गहन विचार करना चाहता है। यह गौरतलब है कि भारत ने 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जो किसी अन्य देश ने नहीं किए हैं। कहीं भी टैरिफ रोड़ा नहीं बना है। प्रस्तावित व्यापार समझौते का जो मसविदा सामने आया था, उसके मुताबिक अमरीका भारत के साथ 500 अरब डॉलर तक का कारोबार करना चाहता है। हमारी मुद्रा में यह करीब 48 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा।

क्या अमरीका को भारत में इतना गहरा घुसने दिया जाना चाहिए? दरअसल 100 फीसदी तक का टैरिफ एक धमकी है और राष्ट्रपति ट्रंप उसके जरिए रूस और ईरान पर आर्थिक पाबंदियों के व्यापक दबाव बनाना चाहते हैं। उनकी रणनीति और व्यापार-नीति यह है कि भारत और चीन इन दो युद्धरत देशों से कच्चा तेल और गैस न खरीदें अथवा बहुत कम मात्रा में खरीदें। अमरीका रूस से 56,597 करोड़ रुपए का कारोबार करता है। क्या ट्रंप को उस पर आपत्ति नहीं है? उस कारोबार को भी खत्म किया जाना चाहिए। पूरा यूरोप रूस से गैस का आयात करता है, अमरीका ने उसे क्यों छोड़ दिया? ट्रंप चाहते हैं कि भारत और चीन जैसे बड़े देश अमरीकी तेल खरीदें, क्योंकि अब वेनेजुएला के तेल को मिला कर अमरीका विश्व में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। कमोबेश चीन ने तो साफ ऐलान कर दिया है कि वह रूस और ईरान से तेल खरीदता रहेगा।

युद्ध, ऊर्जा-संकट और बाधित सप्लाई चेन के बावजूद रूस भारत को सर्वाधिक कच्चा तेल (करीब 50-55 फीसदी) मुहैया करवा रहा है, ईरान से भी सप्लाई दोबारा शुरू की गई है, लिहाजा भारत को भी साफ कहना चाहिए कि देश की ऊर्जा-जरूरतों और कीमतों के मद्देनजर वह रूस और ईरान से तेल-गैस खरीदता रहेगा। भारत अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप से क्यों डरे? दोनों देशों के बीच 11 लाख करोड़ रुपए (करीब 132 अरब अमरीकी डॉलर) का कारोबार होता है। अब अमरीका का निर्यात बढ़ कर करीब 87,000 करोड़ रुपए हो गया है। क्या ट्रंप उसे खोना चाहेंगे? बहरहाल बार-बार टैरिफ की घोषणा कर राष्ट्रपति ट्रंप भारत की बांह नहीं मरोड़ सकते।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा खतरा फेक न्यूज

डा. निधि शर्मा

> जब हम किसी सनसनीखेज वीडियो को सत्यापित किए बिना साझा करते हैं, तो हम उसके प्रभाव के लिए भी जिम्मेदार होते हैं। और जब हम किसी अफवाह को रोकने के बजाय उसे आगे बढ़ाते हैं, तो हम अनजाने में सामाजिक विश्वास को कमजोर करते हैं

लोकतंत्र केवल सत्ता बदलने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वास पर टिका हुआ एक सामाजिक अनुबंध है। इसमें नागरिकों का संस्थाओं पर विश्वास, संस्थाओं का नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व और समाज के भीतर संवाद की ऐसी संस्कृति का निर्माण शामिल है, जिसमें असहमति के बावजूद एक-दूसरे को सुनने की क्षमता और दूसरों के मतों को तवज्जो देने की भावना बनी रहती है। लेकिन आज इस विश्वास की नींव को एक अदृश्य चुनौती लगातार कमजोर कर रही है जैसे गलत, भ्रामक और अपुष्ट सूचना का तेजी से फैलता जाल। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने निर्णय प्रक्रिया को समृद्ध बनाने, विश्वास बढ़ाने तथा अधिक शांतिपूर्ण, समावेशी और लचीले समाजों के निर्माण के लिए समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उनके संदेश में लोकतंत्र को केवल एक संस्थागत व्यवस्था नहीं, बल्कि लोगों की भागीदारी और विश्वास से मजबूत होने वाली व्यवस्था के रूप में रेखांकित किया गया है। लेकिन आज सवाल यह है कि जब समाज के अलग-अलग वर्गों तक अलग-अलग सच पहुंच रहा हो, तब उन्हें एक साथ कैसे लाया जाए? आज सूचना हमारे हाथ में है, लेकिन सत्य की पहचान पहले से अधिक कठिन होती जा रही है। एक मोबाइल फोन कुछ ही सेकंड में हमें देश-दुनिया की खबरों से जोड़ देता है। व्हॉट्सऐप, फेसबुक, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने सूचना के लोकतंत्रीकरण को गति दी है। मगर इसी के साथ मिसइन्फॉर्मेशन यानी भ्रामक जानकारी, डिसइन्फॉर्मेशन यानी जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना और डीपफेक जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि कोई व्यक्ति गलत सूचना फैला रहा है।

असली संकट तब पैदा होता है, जब गलत सूचना सही लगने लगे और सही सूचना पर ही संदेह होने लगे। यही लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है। हर वर्ष 15 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल लोकतांत्रिक अधिकारों की याद नहीं दिलाता, बल्कि हमें हमारी लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। लोकतंत्र की रक्षा संसद में होने वाली बहसों से जितनी होती है, उतनी ही हमारे मोबाइल फोन पर आने वाले एक संदेश के साथ हमारे व्यवहार से भी होती है। एक खबर को सत्यापित करने में लगे दो मिनट लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान दे सकते हैं। यूनेस्को ने 2026 में प्रेस स्वतंत्रता और सूचना के वातावरण पर चिंता जताते हुए बताया कि सूचनाओं में हेरफेर सार्वजनिक विश्वास को कमजोर कर रहा है। संस्था ने मीडिया और सूचना साक्षरता को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया है। लेकिन सोचिए, एक समाज में यदि नागरिकों को यह भरोसा ही न रहे कि उन्हें मिलने वाली खबर सच है, तो वे अपने निर्णय किस आधार पर लेंगे? चुनाव में किस आधार पर राय बनाएंगे? किसी सार्वजनिक नीति का समर्थन या विरोध किस आधार पर करेंगे? किसी सामाजिक घटना पर प्रतिक्रिया देने से पहले किस पर विश्वास करेंगे? लोकतंत्र में नागरिक का मत तभी सार्थक है, जब उसका निर्णय विश्वसनीय सूचना पर आधारित हो। इसलिए गलत सूचना केवल सूचना के माध्यम की समस्या नहीं है, बल्कि अब यह लोकतंत्र की समस्या बन चुकी है। एक झूठी खबर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है। एक भ्रामक स्वास्थ्य संदेश किसी व्यक्ति को इलाज से दूर कर सकता है। किसी समुदाय के बारे में गलत सूचना सामाजिक तनाव पैदा कर सकती है। चुनाव के समय फैलाया गया दुष्प्रचार मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित कर सकता है। और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गए नकली वीडियो किसी व्यक्ति के शब्द और चेहरा तो दिखा सकते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि उसमें दिखाई गई बात कभी कही या हुई भी हो। सबसे दुखद बात यह है कि हम अक्सर वही सूचना स्वीकार करने लगते हैं, जो हमारे पहले से बने विचारों की पुष्टि करती है। यहीं से ह्यइको चैंबरह्न बनते हैं। हम उन्हीं लोगों को सुनते हैं, जो हमसे सहमत हैं। उन्हीं पोस्ट को पसंद करते हैं, जो हमारी सोच को सही ठहराती हैं। धीरे-धीरे असहमति रखने वाला व्यक्ति हमें विरोधी नहीं, बल्कि दुश्मन दिखाई देने लगता है। लोकतंत्र का स्वभाव इसके ठीक विपरीत है। लोकतंत्र हमें यह अधिकार देता है कि हम असहमत हो सकें। लेकिन असहमति को दुश्मनी बनने से रोकने के लिए आवश्यक है कि समाज में संवाद की एक साझा जमीन तैयार की जाए। यही साझा जमीन विश्वसनीय तथ्यों से बनती है। इसलिए आज मीडिया की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। पत्रकारिता का मूल्य सबसे पहले उसकी विश्वसनीयता में है। खबर सबसे पहले देने की होड़ में यदि सत्य पीछे छूट जाए, तो पत्रकारिता अपनी मूल भूमिका खो देती है।

सनसनी पाठक को आकर्षित कर सकती है, लेकिन विश्वास केवल सत्य से बनता है। मीडिया संस्थानों को तथ्य जांच, स्रोतों की पुष्टि, पारदर्शिता और नैतिक पत्रकारिता को प्राथमिकता देनी होगी। सोशल मीडिया मंचों को भी अपनी जिम्मेदारी से बचना नहीं चाहिए। लेकिन सारी जिम्मेदारी मीडिया या तकनीकी कंपनियों पर डालकर नागरिक अपनी भूमिका से मुक्त नहीं हो सकते। क्योंकि एक नागरिक भी सूचना-व्यवस्था का हिस्सा है। जब हम बिना पढ़े कोई संदेश आगे भेजते हैं, तो हम केवल एक संदेश नहीं भेज रहे होते, बल्कि उसके साथ जुड़ी संभावित गलत सूचना को भी आगे बढ़ा रहे होते हैं। जब हम किसी सनसनीखेज वीडियो को सत्यापित किए बिना साझा करते हैं, तो हम उसके प्रभाव के लिए भी जिम्मेदार होते हैं। और जब हम किसी अफवाह को रोकने के बजाय उसे आगे बढ़ाते हैं, तो हम अनजाने में सामाजिक विश्वास को कमजोर करते हैं। इसलिए आज के नागरिक को केवल शिक्षित होना पर्याप्त नहीं है। उसके साथ-साथ मीडिया साक्षर होना भी जरूरी है। हमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक यह समझाना होगा कि किसी सूचना को देखने के बाद पहला सवाल यह नहीं होना चाहिए कि इसे कितने लोगों ने शेयर किया?, बल्कि यह होना चाहिए कि इसका स्रोत क्या है? क्या यह खबर किसी विश्वसनीय संस्था ने प्रकाशित की है?

बढ़ते व्यापार घाटे की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

व्यापार घाटे को कम करने के लिए आयात पर प्रतिबंध लगाने की बजाय आयात प्रतिस्थापन, निर्यात विविधीकरण और सेवा क्षेत्र के विस्तार की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यदि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में हरित बदलाव लाता है, ढुलाई लागत घटाता है, उच्च स्तरीय विनिर्माण को गति देता है और सेवा क्षेत्र को नए वैश्विक मॉडलों पर ले जाता है, तो निश्चित रूप से व्यापार घाटा नियंत्रण में रह सकेगा।

हाल ही में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल के तहत भारत ने ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार असंतुलन की चिंता को भी प्रस्तुत किया। कहा गया कि वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स देशों के साथ भारत का कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 416 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत का कुल आयात 320 अरब डॉलर का है, यह आयात मुख्य रूप से ऊर्जा (कच्चा तेल, गैस) और विनिर्माण इनपुट (इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी) पर केंद्रित है। ब्रिक्स देशों को भारत का कुल निर्यात लगभग 96 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच चुका है। यद्यपि ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार की मात्रा बढ़ी है, लेकिन भारत के लिए 224 अरब डॉलर का भारी-भरकम व्यापार घाटा एक प्रमुख नीतिगत चुनौती बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश व्यापार पर प्रकाशित हालिया राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत के व्यापार घाटा बढ? पर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सितंबर 2026 की रिपोर्ट में भारत के बढ़ते व्यापार घाटे और उसके प्रभावों पर महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। रिजर्व बैंक द्वारा सितंबर के पहले सप्ताह में जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढकर 4.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 0.5 प्रतिशत) तक पहुंच गया है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि वस्तु व्यापार घाटे में 25 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। वैश्विक संगठन मैकिन्से ग्लोबल ट्रेड अपडेट सितंबर 2026 के अनुसार मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल तथा कोयले की वैश्विक कीमतों में वृद्धि ने भारत के आयात बिल और व्यापार घाटे को रिकार्ड स्तर पर पहुंचा दिया है।

इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक घटकों की बढ़ती मांग ने चीन से होने वाले आयात को और बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल-अगस्त के दौरान भारत का वस्तु निर्यात करीब 15 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन आयात में 19 प्रतिशत से अधिक की तीव्र वृद्धि के कारण विदेश व्यापार घाटा ऊंचाई पर पहुंच गया है। कच्चे तेल और ईंधन की ऊंची वैश्विक कीमतें, इलेक्ट्रॉनिक्स, कोयला, उर्वरक और सोने के अधिक आयात के कारण विदेश व्यापार घाटा बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष में भारत का कई प्रमुख देशों के साथ व्यापार घाटा तेजी से बढ़ा है। हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापान के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत के बढ़ते व्यापार घाटे पर चिंता व्यक्त की। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा बढकर 15.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत का आयात 21.43 अरब डॉलर और निर्यात महज 6.03 अरब डॉलर रहा है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए वर्ष 2011 में लागू हुए 15 साल पुराने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीपा) की समीक्षा करने और इसके दायरे को बढ़ाने की बात कही गई है। भारत मुख्य रूप से अपने बासमती चावल, कृषि और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के लिए जापानी बाजार में बेहतर पहुंच की मांग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा चीन के साथ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही जनवरी से जून में चीन से भारत का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से यह घाटा और चुनौतीपूर्ण हुआ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारत और चीन के बीच कुल व्यापार घाटा 67.1 अरब डॉलर दर्ज किया गया है। दोनों देशों के बीच कुल कारोबार 91.72 अरब डॉलर रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत ने चीन से 79.41 अरब डॉलर का सामान मंगवाया। भारत की ओर से चीन को मात्र 12.31 अरब डॉलर का सामान बेचा गया। चीन से भारत में लगातार बढ़ता आयात और उसकी तुलना में अत्यंत कम निर्यात ही इस विशाल व्यापार घाटे की मुख्य वजह है। भारत मुख्य रूप से चीन से बिजली के उपकरण, दूरभाष के पुर्जे, कंप्यूटर उपकरण, अर्द्धचालक (सेमीकंडक्टर), बैटरी और औद्योगिक मशीनरी का आयात करता है। यदि हम भारत-रूस व्यापार की ओर देखें तो पाते हैं कि चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक रूस से भारत में सबसे ज्यादा कच्चा तेल आया है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में रूस से भारत का आयात 52.59 प्रतिशत बढकर 23.61 अरब डॉलर तक पहुंच गया। आयात में इस वृद्धि का मुख्य कारण कच्चा तेल है, जिसकी खरीद में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। तेल के अलावा भारत रूस से उर्वरक, पशु/वनस्पति चर्बी और अर्ध-कीमती पत्थर भी आयात करता है। ऐसे में व्यापार का संतुलन पूरी तरह से रूस के पक्ष में झुका हुआ है। पश्चिमी प्रतिबंधों और अमरीका के राजनीतिक दबाव के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद जारी रखी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत का व्यापार घाटा प्रमुख रूप से मध्य पूर्व और एशियाई देशों संयुक्त अरब अमीरात, इराक और सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड, हांगकांग जैसे देशों के साथ भी बना हुआ है। अमरीका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने के बाद भी भारत से अमरीका को निर्यात अमरीका से भारत में आने वाले आयात की तुलना में अधिक है और व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2026 में भारत का व्यापार घाटा 31.98 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया, जो कि पिछले छह महीनों का उच्चतम स्तर है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जुलाई के चार महीनों में व्यापार घाटा बढकर 118 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई के चार महीनों का प्रदर्शन भी देश के बढ़ते व्यापार असंतुलन की तस्वीर साफ करता है। अप्रैल से जुलाई के दौरान कुल आयात सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत बढकर 292.38 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसी चार महीने की अवधि में वस्तु निर्यात 17 प्रतिशत बढकर 173.78 अरब डॉलर दर्ज किया गया। व्यापार घाटे के इस स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मांग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के आयात में हुई बढ़ोतरी जिम्मेदार है। निःसंदेह, देश के बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ ?ा होगा। हरित ऊर्जा और इथेनॉल सम्मिश्रण को बढ़ावा देना होगा।

कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए हरित हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ाना होगा। नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार किया जाना होगा। सौर और पवन ऊर्जा के घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर औद्योगिक ऊर्जा मांग को ग्रिड-आधारित हरित ऊर्जा पर स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे तेल व कोयला आयात बिल में अरबों डॉलर की बचत होगी। ई-वाहनों का तेजी से अपनाव जरूरी है। सार्वजनिक और निजी परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने से पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू खपत घटेगी, जिसका सीधा असर आयात बिल में कमी के रूप में दिखेगा। हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी भारत के बढ़ते व्यापार घाटे के आंकड़े केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि रणनीति बदलने का अवसर हैं।

न्यूज ब्रीफ

संभागीय आयुक्त `आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में शामिल हुए

ग्वालियर। सेवा-संकल्प अभियान के पहले दिन सांध्य बेला में संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने पुरानी झांसी रोड स्थित अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास की बालिकाओं के साथ 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने बालिकाओं के साथ दीये प्रज्ज्वलित किए। साथ ही बालिकाओं के साथ संवाद किया और सेवा-संकल्प अभियान के तहत आयोजित हुए चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को सम्मानित किया। संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने संवाद के दौरान बालिकाओं से जीवन के लक्ष्य के बारे में चर्चा की। साथ ही कहा कि आप सब आत्मविश्वास के साथ कड़ी मेहनत करेंगे तो निश्चित ही लक्ष्य हासिल होगा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में मौजूद सहायक आयुक्त जनजाति कल्याण को उन्होंने निर्देश दिए कि छात्रावास में ऑनलाइन कोचिंग और विषय विशेषज्ञों से अतिरिक्त कक्षायें लेने की व्यवस्था कराएं।

लंपी वायरस को ध्यान में रखकर गौवंश का किया गया टीकाकरण

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में लंपी वायरस को ध्यान में रखकर प्रभावी कदम उठाए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं एवीएफओ को अभियान बतौर गौवंश का टीकाकरण जारी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लंपी वायरस के लक्षण वाली गायों एवं अन्य गौवंश के उपचार की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इस कड़ी में गुरुवार को एमएच चौराहा मुरार एवं माँ पर्वती गौशाला नगर परिषद भितरवार में निराश्रित गौवंश के टीकाकरण के लिये विशेष मुहिम चलाई गई। उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. डी के गुप्ता ने बताया कि एमएच चौराहा मुरार एवं माँ पर्वती गौशाला नगर परिषद भितरवार में निराश्रित गौवंश का टीकाकरण किया गया। साथ ही लंपी वायरस के लक्षण वाली गायों का उपचार किया गया। जिले में अन्य स्थानों पर टीकाकरण के साथ-साथ उपचार की व्यवस्था की गई है।

मुरार में `मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' आज

ग्वालियर। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' सम्पूर्ण प्रदेश में 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत नगर निगम ग्वालियर के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मैदानी भ्रमण कर आमजनों से संवाद करेंगे और जनकल्याणकारी समस्याओं का निराकरण करेंगे। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' कैम्प दिनांक दिनांक 18 सितम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 9 माल रोड मुरार पर आयोजित किया जाएगा। अभियान अंतर्गत सभी क्षेत्रीय कार्यालयों पर सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं लोक सेवा गारंटी योजना के अंतर्गत आने वाली शिकायतों तथा आवेदन के निराकरण की समीक्षा के साथ ही समस्याओं के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही आम नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर मिले तथा सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिले।

ग्वालियर शहर तथा डबरा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, अवैध मदिरा जब्त की गई

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार तथा आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त, जिला ग्वालियर राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर जारी है। अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं एवं नियमित गश्त के आधार पर ग्वालियर शहर तथा डबरा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग की टीम ने लाला का बाजार, गड़वे की गोठ क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अंकुर जैन के आधिपत्य से 274 पाव देसी मदिरा प्लेन एवं 30 पाव देसी मदिरा मसाला जब्त की। जब्त मदिरा की मात्रा 54.72 बल्क लीटर पाई गई। मात्रा 50 बल्क लीटर से अधिक होने के कारण आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी क्षेत्र में सत्य प्रकाश के आधिपत्य से 60 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त कर धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वहीं तारागंज एवं बड़गांव क्षेत्र में

अवैध रूप से मदिरा पान करवाने के मामलों में धारा 36 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। राजपूत ढाबा पर अवैध मदिरा विक्रय के मामले में धारा 34(1) के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा मोहनपुर पुल के नीचे से 10 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त कर धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। डबरा क्षेत्र में भी आबकारी विभाग द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की गई। यहां से कुल 61 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त की गई तथा धारा 34(1) के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इस प्रकार ग्वालियर एवं डबरा क्षेत्र में की गई कार्रवाई में कुल 81 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 47 हजार रुपए है। आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत 1 प्रकरण, धारा 34(1) के तहत 6 प्रकरण तथा धारा 36 के तहत 4 प्रकरण, इस प्रकार कुल 11 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। आबकारी विभाग ने बताया कि मदिरा दुकान के पास अवैध अहाते का संचालन करना तथा अवैध रूप से मदिरा पान करवाने की सुविधा उपलब्ध कराना आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध है। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई में आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती मोनिका पाठक, श्री संतोष यादव, श्री दिनेश भार्गव, उप निरीक्षक हरेंद्र मावई, शिवा रघुवंशी, सतेंद्र मीणा, रवि सिसोदिया तथा मुख्य आरक्षक रवि बघेल सहित आरक्षक राघवेंद्र भदौरिया, राहुल त्यागी, देवेश शर्मा, संजय दोहरे, अमन राजावत, शिवकांत, निधि पंत, अंजली शर्मा एवं अन्य आबकारी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वसूला जुर्माना

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालकर यातायात को अवरूद्ध कर रहे मकान मालिकों पर जुर्माने की कार्रवाई करते हुए 17000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। अधीक्षण यंत्री जनकार्य सुरेष अहिरवार ने बताया कि नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देषानुसार भवन निर्माण सामग्री सडक पर डालने वालों पर अभियान चलाकर जुर्माने की कार्यवाही की गई। जिसके तहत आज भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वार्ड 1 में इम्पीरियल इंफ्रा पर 5000 रूपये, वार्ड 46 निम्बालकर की गोठ कम्पू पर श्री मनोज अग्रवाल पर 2000 रूपये, वार्ड 46 हनुमान नगर मे श्रीमती नीतू पर 2000 रूपये, वार्ड 65 भगवती विहार कॉलोनी अजयपुर पर श्रीमती संगीता दोहरे पर 7000 रूपये का जुर्माना किया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री किषोर चौहान के निर्देषन में वार्ड 50 महाराज बाडा पर गंदगी फैलाने वालों से 1000 रूप्ये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान जेडएचओ श्री नरेष गौडयाले, डब्लयूएचओ श्री राम नरेष बाहरे आदि उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी अजय ठाकुर के निर्देशन में वार्ड क्रमांक 15 में भैंस डेयरी वालों पर जुर्माना करवाई करते हुए 1000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री संजय शाक्य, जेडएचओ श्री राजेश भारती, डब्ल्यूएचओ श्री नीरज करोसिया उपस्थित रहे।

खाटू नरेश की शोभा यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ राधा हवेली का 15 वा वार्षिक महोत्सव

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर के बाई साहब की परेड लक्ष्मीगंज स्थित खाटू श्याम मंदिर राधा की हवेली का 15 व वार्षिक महोत्सव आज मोर बाजार से प्रारंभ हुआ जो सराफा बाजार से राम मंदिर पाटणकर बाजार अगस्त का ताजिया दौलतगंज माधवगंज स्काउट महाराज बाड़ा गांधी मार्केट जनकगंज हनुमान चौराहा लक्ष्मीगंज से होता हुआ रात्रि 9:00 बजे अपने गंतव्य स्थान राधा की हवेली पहुंचा पूरी शोभा यात्रा में 101 छोटे निशान एवं पांच बड़े निशान ढोल नगाड़े सबसे आगे गजानंद की झांकी उसके बाद डीजे साउंड डीजे साउंड के पीछे हाथों में निशान लेकर चल रहे श्याम प्रेमी एवं महिलाएं उसके पीछे भजन ऑन का रस बरसता हुआ एक

ट्रक जिसमें श्याम प्रेमी भजन गा रहे थे और लोग उसका आनंद ले रहे थे जगह-जगह इस यात्रा का भव्य स्वागत हुआ मंदिर के महंत रवि अग्रवाल द्वारा सर्वप्रथम मंदिर परिसर में जयपुर से आए आशीष अग्रवाल के साथ बाबा का श्रृंगार किया मीडिया प्रभारी शिरीष गुप्ता गुड्डू भैया ने बताया शोभा यात्रा में बाबा का श्रृंगार तरुण बंसल एवं चित्रांश अग्रवाल गोलू द्वारा किया गया पूरी रात से इतर वर्षा चल रही थी यात्रा को संचालित कर रहे बाबा की शोभायात्रा में बाबा के साथ चल रहे थे आगे की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी गुड्डू भैया ने बताया की महोत्सव के दूसरे दिन 18 सितंबर से मंदिर परिसर में दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक राम कथा का श्रवण पान पंडित संजीव कृष्ण शास्त्री द्वारा किया जाएगा.

ग्वालियरवासी मानवता की सेवा के लिये आगे आए, 535 यूनिट रक्तदान किया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

' ग्वालियर जिले में 'सेवा-संकल्प अभियान' का शुभारंभ दिवस मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर को जिले में पाँच स्थानों पर विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में जनप्रतिनिधियों, सेवाभावी नागरिकों और शासकीय सेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प लिया। अभियान के पहले दिन जिले में लगभग 535 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। जिला चिकित्सालय मुरार में आयोजित रक्तदान शिविर में संभागीय आयुक्त मनोज खत्री और कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने रक्तदान किया। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर समाज को मानवता की

सेवा और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का प्रेरक संदेश दिया। सिटी सेंटर निवासी रविन्द्र यादव ने भी जिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में रक्तदान किया। उनके द्वारा किया गया यह 35वाँ रक्तदान था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर पीड़ित मानवता की सेवा के लिए रक्तदान करने का अवसर मिलना उनके लिए खुशी की बात है। 13वीं बटालियन में पदस्थ विशेष सशस्त्र बल के जवानों और सेवाभावी नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। बटालियन के जवान श्री संतोष धाकड़, श्री पुरुषोत्तम प्रजापति और श्री दीपक नरवरिया ने सेवाभाव के साथ रक्तदान करते हुए नागरिकों से भी रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से हम किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में सहभागी बन सकते हैं।

2 हजार से ऊपर के यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का फैसला जनविरोधी कदम: कांग्रेस

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने 2,000 से अधिक के निर्धारित यूपीआई व्यापारी लेन-देन पर शुल्क लागू किए जाने के फैसले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के नाम पर देश में यूपीआई को आम आदमी, छोटे दुकानदार और व्यापारियों की रोजमर्रा की जरूरत बनाया गया, लेकिन अब इसी डिजिटल व्यवस्था पर शुल्क लगाने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। जो कि आम नागरिक और व्यापारियों के साथ धोखा है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को देश के आम नागरिक और छोटे व्यापारियों की जेब पर पड़ने वाले हर अतिरिक्त बोझ का जवाब देना होगा। आज महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। घर का बजट बिगड़ चुका है, रसोई का खर्च

लगातार बढ़ रहा है और छोटे दुकानदार पहले ही महंगाई, कम बिक्री और बढ़ती लागत से परेशान हैं। ऐसे समय में डिजिटल भुगतान की व्यवस्था पर अतिरिक्त लागत का प्रावधान करना भाजपा सरकार की नियत पर सवाल खड़ा करता है। एक तरफ देश और प्रदेश में भाजपा संकल्प दिवस और सेवा संकल्प अभियान के नाम पर बड़े-बड़े प्रचार कार्यक्रम कर रही है, दूसरी तरफ महंगाई और रोजमर्रा के खर्च से जूझ रही जनता की वास्तविक समस्याओं पर भाजपा का ध्यान नही है।

स्वर्गीय रघुवीर सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने किया श्रद्धापूर्वक नमन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय रघुवीर सिंह बाबूजी की पुण्यतिथि पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आकाशवाणी चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कांग्रेसजनों ने बाबूजी के व्यक्तित्व, जनसेवा और संगठन के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि स्वर्गीय रघुवीर सिंह बाबूजी केवल कांग्रेस के समर्पित नेता ही नहीं, बल्कि आमजन के

सुख-दुःख में सदैव खड़े रहने वाले जनसेवक थे। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीब, मजदूर, किसान और आम नागरिकों की आवाज को मजबूती से उठाया तथा कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रृद्धांजली देने वालो में प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, देवेन्द्र चोहान, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव, महादेव अपोरिया, भूपेन्द्र तौमर मिक्की, संतोष शर्मा, आशुतोष शर्मा, मनीष यादव आदि सम्मलित थे। कांग्रेसजनों ने बाबूजी के व्यक्तित्व, जनसेवा और संगठन के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जिलेभर के नदी-तालाब घाटों और गांव-कस्बों में श्रद्धा, सेवा और संकल्प के साथ हुआ दीप प्रज्ज्वलन

सेवा-संकल्प अभियान रिमझिम बारिश के बीच बैजाताल पर प्रज्ज्वलित हुए आशीर्वाद के दीये

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

सेवा-संकल्प अभियान के शुभारंभ दिवस पर गुरुवार की सांध्य बेला में ग्वालियर जिले ने सेवा, श्रद्धा और सामाजिक सरोकार का अनूठा संदेश दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत ऐतिहासिक बैजाताल सहित जिले के विभिन्न नदी-तालाब घाटों, नगरीय क्षेत्रों, गांवों और कस्बों में हजारों दीप प्रज्ज्वलित किए गए। दीयों के प्रज्ज्वलन ने घाटों के वातावरण को उत्सवमय बना दिया वहीं जनभागीदारी से सेवा-संकल्प अभियान का संदेश भी जन-जन तक पहुंचा। बैजाताल पर दीयों की रोशनी और देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने रचा मनोहारी दृश्य जिला मुख्यालय पर बैजाताल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। गुरुवार को अपरान्ह से ही लगातार हो रही रिमझिम बारिश के बीच सांध्य बेला में बैजाताल के चारों ओर बनीं छतरियों में सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, नगर निगम परिषद में नेता प्रतिपक्ष श्री

हरिपाल, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह घुरैया व जीडीए के उपाध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने आशीर्वाद के दीये प्रज्ज्वलित किए। साथ ही कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने भी दीप प्रज्ज्वलित किए। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में श्री राजू पलैया व श्री दीपक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद व श्री अनिल बनवारिया सहित अन्य अधिकारियों एवं सेवाभावी नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा, सहयोग और समाज के जरूरतमंद वर्गों के साथ खड़े रहने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। कार्यक्रम का उत्साह केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा। जिले के विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में भी नागरिकों ने स्वेच्छा से 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलित कर अभियान में सहभागिता की। नगर पालिका डबरा के सभी वार्डों तथा सिंध नदी घाट भगवान शंकर महादेव मंदिर, नगर पंचायत पिछोर, बिलौआ, आंतरी, मोहना में पार्वती नदी घाट तथा भितरवार में दिहादाह घाट पर दीप प्रज्ज्वलित किए गए। इसी क्रम में जनपद पंचायत मुरार के बेसली नदी सिरसौद, घाटीगांव के चौरसिया तालाब बरई, डबरा के मकोड़ा तालाब तथा भितरवार में धूमेश्वर महादेव मंदिर के समीप नदी घाट पर भी आशीर्वाद के दीये प्रज्ज्वलित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व बार्सिलोना स्टार फिलिप कूटिन्हो दिसंबर तक सैंटोस एफसी से जुड़े

सैंटोस । ब्राजीलियाई क्लब सैंटोस एफसी ने लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व प्लेमेकर फिलिप कूटिन्हो को 'फ्री ट्रांसफर' पर साइन किया है। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। 34 वर्षीय खिलाड़ी का यह कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक के लिए है। सैंटोस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'अपनी बेहतरीन तकनीकी गुणवत्ता और दृष्टिकोण के साथ-साथ यूरोप और ब्राजीलियाई राष्ट्रीय टीम के साथ शानदार करियर वाला यह मिडफील्डर 2026 के अंत तक के कॉन्ट्रैक्ट के साथ टीम में शामिल हो रहे हैं।' फरवरी में मानसिक थकान का हवाला देते हुए 'वास्को दा गामा' से अलग होने के बाद कूटिन्हो किसी क्लब के साथ नहीं थे। कूटिन्हो के मुताबिक, उन्हें क्लब में लाने में उनके पुराने दोस्त नेमार ने अहम भूमिका निभाई है। दोनों ब्राजील के लिए यूथ और सीनियर दोनों स्तरों पर एक साथ खेल चुके हैं, जिसमें फीफा वर्ल्ड कप 2018 भी शामिल है।

भारत में फॉर्मूला वन की वापसी की तैयारी, सरकार ने टास्क फोर्स का किया गठन

नई दिल्ली । भारत में फॉर्मूला वन और मोटर स्पोर्ट्स को फिर से जीवित करने और उसके विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य भारत में मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का व्यापक मूल्यांकन करना है। साथ ही, टैक्स से जुड़े मुद्दों सहित उन सभी चुनौतियों की समीक्षा करना है, जो भारत में मोटर स्पोर्ट्स के रिवाइवल और विकास को प्रभावित कर रही हैं। टास्क फोर्स के लिए काम के दायरे यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस भी तय किए गए हैं। पहला, भारत में मोटरस्पोर्ट्स के सतत विकास के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों की पहचान करना और एक समग्र और समन्वित रोडमैप तैयार करना है। दूसरा, भारत के मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का विस्तृत मूल्यांकन करना और मोटरस्पोर्ट इवेंट्स के रिवाइवल और विकास से जुड़ी चुनौतियों की समीक्षा करना, जिसमें टैक्सेशन भी शामिल है।

यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के वेन्यू किए तय

- म्यूनिख और कैंप नोउ को मिली मेजबानी

न्योन । यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के आयोजन स्थलों की पुष्टि कर दी है। म्यूनिख फुटबॉल एरिना और बार्सिलोना का कैंप नोउ प्रतिष्ठित यूरोपीय क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी करेंगे। 2028 का खिताबी मैच म्यूनिख फुटबॉल एरिना में खेला जाएगा, जबकि 2029 संस्करण बार्सिलोना के कैंप नोउ में होगा। म्यूनिख के स्टेडियम को प्रमुख चैंपियंस लीग आयोजनों की मेजबानी करने का काफी अनुभव है। इसने साल 2012 में और फिर 2025 में फाइनल का आयोजन किया, जबकि 2028 संस्करण इस आयोजन स्थल को यूरोप के शीर्ष क्लबों का स्वागत करने का एक और मौका देगा। बार्सिलोना के लिए 2029 का फाइनल चैंपियंस लीग के प्रतिष्ठित मुकाबले की कैंप नोउ में तीन दशक बाद वापसी का प्रतीक होगा।

संजू-अभिषेक के बीच 88 रन की तूफानी साझेदारी

जीता भारत

सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया दूसरा टी20 मैच 7 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेला जाना है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने खराब शुरुआत के बावजूद 8 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इस टीम को 1.3 ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में शुरुआती झटका लगा। उस समय तक खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद कप्तान इब्राहिम जादरान ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाकर अफगानिस्तान को संभालने की कोशिश की, लेकिन जादरान (37) के आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि 100 के स्कोर तक 6 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए।

यहां से मोहम्मद नबी (20) और राशिद खान (28) की अनुभवी जोड़ी ने मोर्चा संभाला। इन बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 28 गेंदों में 48 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

भारत के लिए नितीश रेड्डी ने 3 विकेट हासिल किए, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में, टीम इंडिया ने 14.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 38 गेंदों में 88 रन की साझेदारी की।

अभिषेक 19 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 39 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद संजू ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 4 गेंदों में 11 रन की साझेदारी की।

भारत को 99 के स्कोर पर संजू सैमसन के रूप में दूसरा झटका लगा, जो 22 गेंदों में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे।

यहां से ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 24 रन जुटाए। अय्यर 11 गेंदों में इतने ही रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद ईशान ने तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 25 गेंदों में 40 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई।

दूसरा टी20

कैटी मैक का तूफान

भारतीय टीम को 30 रन से मात देकर ऑस्ट्रेलिया-ए की सीरीज में अजेय बढ़त

न्यू चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए के खिलाफ मंगलवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए अनाधिकारिक टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया-ए ने सीरीज का पहला मैच 6 विकेट से अपने नाम किया था। अब अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। कैटी मैक और रेचल ट्रेनामन की जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले विकेट के लिए 9 ओवरों में 75 रन की साझेदारी हुई।

रेचल 25 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद कैटी ने चार्ली नॉट के साथ दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। चार्ली 20 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 26 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से अनिका लीरॉयड ने कैटी के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया।

कैटी 60 गेंदों में 83 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनकी इस पारी में 11 चौके शामिल रहे, जबकि अनिका ने 16 गेंदों में 24 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से दोनों विकेट निकी प्रसाद के हाथ लगे।

इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी। टीम को 9 के स्कोर पर दिनेश वृंदा (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा, जिसके बाद शिप्रा गिरी ने सुजाता के साथ दूसरे विकेट के लिए 16 रन की साझेदारी की, लेकिन 29 के स्कोर तक सुजाता (8) के साथ शिप्रा (13) भी पवेलिन लौट गईं।

भारतीय टीम में विकेटों का पतझड़ लग गया था। आलम ये रहा कि 54 रन तक 5 विकेट गिर गए थे। इसके बाद निकी प्रसाद ने मिन्नु मणि (16) के साथ छठे विकेट के लिए 53 रन और तनुजा कंवर (16) के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन जोड़े, लेकिन ये साझेदारियां जीत के लिए नाकाफी थीं। निकी 31 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 54 रन बनाकर नाबाद रहीं।

एशियन गेम्स 2026 में इन 5 खेलों में भारत जीत सकता है सर्वाधिक पदक

- एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा उम्मीदें

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में भारत के 503 खिलाड़ी मेडल के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। भारत इस बार कुल 35 खेलों में हिस्सा लेने वाला है। हालांकि, कुछ खेल ऐसे हैं, जिनमें देश को मेडल जीतने की पूरी संभावना है। आइए ऐसे ही पांच खेलों के बारे में आपको बताते हैं।

एथलेटिक्सः एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स में हासिल किए हैं। इस खेल में भारत ने एशियन गेम्स के 19 संस्करण में अब तक कुल 85 गोल्ड, 102 सिल्वर और 96 ब्रॉन्ज समेत कुल 283 मेडल जीते हैं। नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी के बावजूद, इस खेल में भारत को मुरली श्रीशंकर, गुलवीर सिंह, अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह, पारुल चौधरी, राजेश रमेश और रोहित यादव से मेडल की उम्मीद होगी। **निशानेबाजीः** एथलेटिक्स के बाद एशियन गेम्स के इतिहास में भारत को सबसे ज्यादा कामयाबी इसी खेल में मिली है। भारतीय खिलाड़ी हर बार की तरह इस बार भी निशानेबाजी में देश को ज्यादा से ज्यादा मेडल दिलाने का प्रयास करेंगे। निशानेबाजी में भारत ने अब तक कुल 80 मेडल जीते हैं, जिसमें 16 गोल्ड, 30 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। पिछले एशियन गेम्स में निशानेबाजी में भारत ने कुल 22 मेडल जीते थे। इस खेल में मनु भाकर को भारत की सबसे बड़ी उम्मीद माना जा रहा था।

पहला वनडे

रेनेशॉ का शतक, एलिस का पंजा, ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया

हरारे । ऑस्ट्रेलिया ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। सीरीज के शेष मुकाबले 18 और 20 सितंबर को खेले जाने हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर

294 रन बनाए। इस टीम को 10 के स्कोर पर ट्रेविस हेड (4) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद कप्तान मिचेल मार्श ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। मार्श 28 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद जोश इंगलिस मैदान पर उतरे, लेकिन टीम के खाते में 4 रन से ज्यादा नहीं जोड़ सके। हालांकि, कूपर (51 रन) अर्धशतक लगाने में सफल रहे।
टीम को 107 के स्कोर पर चौथा झटका लग गया था।

विमेंस टी20 रैंकिंगः 800 रेटिंग के साथ श्री चरणी ने

टी20 फॉर्मेट में इतिहास रचा

- दीप्ति चार पायदान ऊपर चढ़ीं

नई दिल्ली। श्री चरणी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह मंगलवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में 800-रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गईं। यह उपलब्धि एशिया कप 2026 के फाइनल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मिली है। चरणी ने श्रीलंका के विरुद्ध खिताबी मुकाबले में सिर्फ 20 रन देकर 4 विकेट हासिल करते हुए पूरे टूर्नामेंट में कुल 12 विकेट चटकाए थे। अब चरणी की रेटिंग 804 है, जिससे शीर्ष पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। श्री चरणी यह आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज और कुल मिलाकर तीसरी गेंदबाज बन गई हैं। महिला टी20 में गेंदबाजों के लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मेगन शट के नाम है, जिन्होंने शीर्ष पर रहते हुए 806 रेटिंग हासिल की थी। श्री चरणी ने एक कैलेंडर ईयर में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का पूनम यादव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 800 रेटिंग हासिल करने वाली तीसरी गेंदबाज हैं; उनसे पहले पूर्व नंबर 1 सोफी एक्लेस्टोन 802 रेटिंग तक पहुंच चुकी थीं।

एक तरफ, चरणी शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं, तो दूसरी ओर स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा उनकी जगह के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर उभरी हैं। दीप्ति ने एशिया कप फाइनल में 19 रन देकर 3 विकेट लिए और 14 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। वह चार पायदान ऊपर चढ़कर 729 रेटिंग के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। हालांकि, हमवतन खिलाड़ी चरणी से काफी पीछे हैं।

फाइनल में मैच जिताऊ 68 रन की पारी खेलने के बाद शेफाली वर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके साथ ही, शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑल-राउंडर्स की सूची में भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गई।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भरः पीएचएफ

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे।'

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना मेरे लिए बड़ा पल, जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा थाः टिलेमैन्स

नई दिल्ली । मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के नए मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स का कहना है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना फुटबॉल के सबसे खास अनुभवों में से एक है। उन्होंने याद किया कि जब वह एस्टन विला के लिए खेलते थे और पहली बार विरोधी खिलाड़ी के रूप में इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में उतरे थे, तो वहां का माहौल देखकर काफी प्रभावित हुए थे। जुलाई में, मिडफील्डर ने जून 2031 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। पिछले सीजन में उन्होंने एस्टन विला के लिए सात असिस्ट किए और अपने क्लब को यूईएफए यूरोपा लीग जीतने में मदद की, जिसमें उन्होंने एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ फाइनल में पहला गोल किया। उन्होंने जियोहॉटस्टार को बताया, 'मैनचेस्टर यूनाइटेड एक बहुत बड़ा क्लब है। ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार विरोधी टीम के तौर पर खेलना मेरे लिए एक बड़ा पल था। मैंने अपनी जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था। माहौल, भीड़, इसके बारे में सब कुछ कमाल का था। यह ऐसी जगह है जहां हर फुटबॉलर खेलने का सपना देखता है।'

बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड के माहौल का अनुभव करने के लिए उत्साहित हैं। यूनाइटेड 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन में मिश्रित शुरुआत के बाद लय हासिल करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने लीग के अपने पहले चार मैचों में चार अंक जुटाए हैं। यूनाइटेड को हल सिटी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद टीम ने इप्सविच टाउन को 5-2 से हराया। वहीं, एवर्टन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि मैनचेस्टर डर्बी में उसे मैनचेस्टर सिटी से 0-1 की हार मिली।

शहरों में बनेंगे सर्वसुविधायुक्त आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र, पंजीकृत श्रमिकों के लिए शुरू होगी ई-बाइक सहायता योजना

श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री साय

एक सत बुलेटिन, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के श्रमवीर अपने परिश्रम, पुरुषार्थ और पसीने से समृद्ध एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की नई इबारत लिख रहे हैं। गांवों के खेत-खलिहानों से लेकर शहरों की ऊंची इमारतों तक, सड़कों और पुलों से लेकर सिंचाई परियोजनाओं, उद्योगों और अधोसंरचना के निर्माण तक प्रदेश की प्रगति की हर तस्वीर में हमारे श्रमिक भाई-बहनों की मेहनत समाहित है। छत्तीसगढ़ ने अपने गठन के 25 वर्षों में विकास के जो नए प्रतिमान स्थापित किए हैं, उनके पीछे हमारे मेहनतकश हाथों का बड़ा योगदान है।

यही हाथ आने वाले वर्षों में विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को भी साकार करेंगे। श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकताः मुख्यमंत्री श्री साय मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशभर से आए हजारों श्रमिक भाई-बहनों को विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और भगवान विश्वकर्मा से छत्तीसगढ़ की सुख, शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण और सृजन के आराध्य हैं। वे हमें श्रम के सम्मान और अपने हुनर पर गर्व करने की प्रेरणा देते हैं। सही मायनों में हमारे श्रमिक भाई-बहन ही विकसित छत्तीसगढ़ के विश्वकर्मा हैं। राज्य सरकार श्रमिकों के परिश्रम का सम्मान करने के साथ उनके जीवन में सुरक्षा, सुविधा और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकताः मुख्यमंत्री श्री साय उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सोच स्पष्ट है कि विकास का लाभ उस श्रमिक तक भी पहुंचे, जिसके श्रम से विकास की नींव तैयार होती है। श्रमिक को उसके परिश्रम का पूरा सम्मान मिले, उसे सामाजिक सुरक्षा का भरोसा मिले, परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बने और उसके बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर

मिलें - इसी उद्देश्य के साथ सरकार श्रमिक कल्याण की योजनाओं को लगातार विस्तार दे रही है। श्रमिक हित में मुख्यमंत्री की तीन बड़ी घोषणाएं मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन में श्रमिक भाई-बहनों की सुविधा, आवागमन और स्वरोजगार को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने शहरों में रोजगार की तलाश में विभिन्न स्थानों पर एकत्र होने वाले श्रमिकों के लिए सर्वसुविधायुक्त आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। इन केंद्रों में श्रमिकों के बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ स्वच्छ पेयजल, मोबाइल चार्जिंग और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे काम की तलाश में शहर आने वाले श्रमिकों को सम्मानजनक और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने पंजीकृत श्रमिकों के आवागमन को सुगम बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने के उद्देश्य से ई-बाइक सहायता योजना प्रारंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि काम के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी तय करने वाले श्रमिकों के लिए आवागमन की सुविधा सीधे तौर पर उनकी आजीविका और जीवन की सहजता से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने असंगठित क्षेत्र के रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा खरीदने के लिए दी जाने वाली सहायता राशि को 50 हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे परंपरागत रिक्शा चालकों को आधुनिक साधन अपनाने, अपनी आय बढ़ाने और स्वरोजगार को अधिक मजबूत बनाने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाना है। श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिलाओं को आत्मनिर्भरता और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराकर एक सशक्त श्रमिक परिवार का निर्माण करना सरकार की प्राथमिकता है।

1.43 लाख से अधिक श्रमिकों को 51.32 करोड़ से अधिक की सौगात

महासम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रम विभाग के विभिन्न मंडलों द्वारा संचालित 26 योजनाओं के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से 1 लाख 43 हजार से अधिक श्रमिकों के बैंक खातों में 51 करोड़ 32 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि अंतरित की। उन्होंने विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के हितग्राहियों को सहायता राशि एवं सामग्री का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में श्रम विभाग के तीन मंडलों के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों के लिए 67 प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा से लेकर उनके बच्चों की शिक्षा, विवाह सहायता और आर्थिक सशक्तीकरण तक जीवन के विभिन्न चरणों में ये योजनाएं श्रमिक परिवारों का संबल बन रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि श्रमिकों तक पहुंचाई गई है। उन्होंने प्रदेश के सभी पात्र श्रमिकों से श्रम विभाग में अपना पंजीयन कराने और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

सेवा संकल्प अभियान : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महारानी अस्पताल जगदलपुर में किया रक्तदान

एक सत बुलेटिन, रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के सफल 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से पूरे देश और प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की जनसेवा और समर्पण की भावना से प्रेरित होकर यह विशेष अभियान पूरे एक माह तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान माह भर समाज और जनसरोकार से जुड़े विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जनसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने गुरूवार को अपने बस्तर प्रवास के दौरान महारानी अस्पताल जगदलपुर पहुँचकर स्वयं रक्तदान किया। इस दौरान वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने और जरूरतमंदों के लिए रक्त की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महारानी अस्पताल तथा शासकीय मेडिकल कॉलेज, डिमरापाल में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं को मानव सेवा के लिए किया प्रेरित इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शिविर में मौजूद अन्य रक्तदाताओं से आत्मीय भेंट कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने समाज के प्रति युवाओं की इस संवेदनशीलता और निस्वार्थ सेवा भाव की मुक्तकंठ से सराहना की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एक यूनिट रक्त आपातकालीन स्थितियों, गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं में घायलों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। इसके साथ ही उन्होंने शिविर में दिन-रात सेवा दे रहे चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्वयंसेवकों के समर्पण की भी प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उनके 25 वर्षों के इस सेवा पथ से प्रेरणा लेकर ही सेवा संकल्प अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत अगले एक महीने तक समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए विविध कार्य किए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे भी इस अभियान से जुड़कर नियमित रक्तदान को अपनी आदत बनाएं और पीड़ित मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएं। शर्मा ने महारानी अस्पताल में एड्स के प्रति जागरूकता, बचाव और इसके उपचार के आधुनिक संसाधनों पर आधारित एक ज्ञानवर्धक नाटक का मंचन भी देखा।

प्राचीन कुँआ पर बना हुआ था मकान, सुरंग होने का नहीं मिला कोई साक्ष्य

भिण्ड। उप संचालक पुरातत्व म.प्र. उत्तरी क्षेत्र ग्वालियर से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य संरक्षित स्मारक भिण्ड का किला से लगभग 500 मीटर की दूरी पर हिन्नारिया गली, बजरिया रोड स्थित कॉलोनी में जमीन धँसने के बाद गड्ढा दिखाई दिया। जोकि मुख्यमार्ग से लगभग 30 फुट अंदर की ओर है। जिसकी जाँच पड़ताल करने पर ज्ञात हुआ कि यह एक प्राचीन कुँआ है। जिसके ऊपर चबूतरा बनाकर स्थानीय लोगों द्वारा मकान का निर्माण कर लिया गया था। यहाँ से सुरंग होने के किसी प्रकार के साक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना

एक सत बुलेटिन, भोपाल।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित 'सेवा, संकल्प अभियान' के अंतर्गत नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी जी ने दुर्गा मंदिर, गीतांजलि चौराहा के समीप 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर श्री किशन सूर्यवंशी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प से प्रेरित रहा है। उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में देश के विकास एवं जनसेवा के प्रति समर्पण निरंतर दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाना उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए नागरिकों की मंगलकामनाओं का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने भी प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

सांसद संध्या राय ने अधिकारियों और समाज सेवियों के साथ की मुक्तिधाम परिसर सफ़ाई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आज प्रातः धर्मपुरी मुक्तिधाम परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। जिसमें सांसद श्रीमती संध्या राय ने अधिकारियों और समाज सेवियों के साथ मुक्तिधाम परिसर की साफ़-सफ़ाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्टर भिण्ड, सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, सीएमओ भिण्ड सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्वच्छता अभियान के दौरान कचरा एवं अपशिष्ट हटाकर परिसर को

स्वच्छ एवं व्यवस्थित किया गया। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका ने नागरिकों से आह्वान किया कि 'सेवा संकल्प' को केवल एक दिवसीय अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाया जाए। प्रत्येक नागरिक अपने घर, गली, मोहल्ले और वार्ड को अपनासमझकर स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दे। कचरा पृथक्करण, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, पॉलिथीन के उपयोग में कमी तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रयासों को भी दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए। सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित भिण्ड के संकल्प को साकार किया जा सकता है।

दंदरौआ धाम में बड़ा मंगल के अवसर पर भारी वाहनों का आवागमन 21 से 23 सितंबर तक प्रतिबंधित

भिण्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भिण्ड द्वारा दंदरौआ धाम में बड़ा मंगल (बुढ़वा मंगल) आयोजन के दृष्टिगत भिण्ड-मेहगांव-मालनपुर, गोरमी-मौ-सेवढा, भिण्ड अमायन-मौ, गोहद झांकरी-मौ. लहार- अमायन-मौ से भारी वाहनों (दो, तीन, चार पहिया वाहनों को छोडकर शेष समस्त वाहन) का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115, 116, 119 के अंतर्गत सार्वजनिक सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए लोकहित में यह आदेश जारी किया गया है। आदेश दिनांक 21 से 23 सितंबर 2026 तक प्रभावशील होगा तथा इसका उल्लंघन मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 177 एवं अन्य दण्डात्मक प्रावधानों के अंतर्गत दण्डनीय होगा। उल्लेखनीय है कि दंदरौआ धाम में बड़ा मंगल (बुढ़वा मंगल) के अवसर पर 21 से 22 सितम्बर 2026 तक दो दिवसीय मेला लगेगा जिसमें लगभग पांच लाख की संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्रित होने की संभावना है।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय में कौशल विकास की नई पहल, भारतकेयर्स के साथ हुआ अनुबंध

आईबीएम स्किल्सबिल्ड से जुड़ेंगे विद्यार्थी, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल का शुभारंभ

एक सत बुलेटिन, सीहोर।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय, सीहोर में विद्यार्थियों को तकनीकी एवं रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में नई पहल की गई। विश्वविद्यालय और भारतकेयर्स एसएमईसी ट्रस्ट के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी कौशल, डिजिटल शिक्षण एवं रोजगार से जुड़ी दक्षताएं विकसित करने के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफ. (डॉ.) दीपक राज तिवारी, प्रतिकुलगुरु डॉ. गिरीश त्रिपाठी एवं

कुलसचिव डॉ. अनुज सिंघई की गरिमामयी उपस्थिति रही। भारतकेयर्स एसएमईसी ट्रस्ट की मैनेजर-फ्यूचरटेक एवं सीएसआर कार्यक्रम सुधि अग्रवाल ने विद्यार्थियों को आईबीएम स्किल्सबिल्ड मंच के माध्यम से उपलब्ध

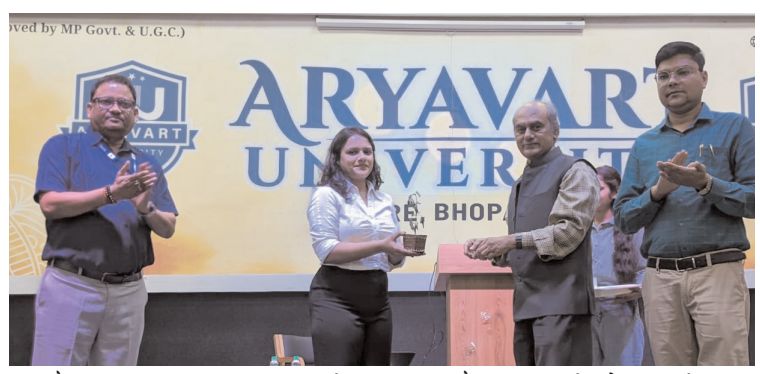

कौशल विकास एवं डिजिटल शिक्षण के अवसरों की जानकारी दी। आधुनिक तकनीकी कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और भविष्य में रोजगार के लिए आवश्यक दक्षताओं से तैयार करना है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण संसाधन, डिजिटल प्रमाण-पत्र, परियोजनाओं तथा हैकाथॉन जैसी गतिविधियों से जुड़ने के अवसर मिलेंगे। इसी अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल का शुभारंभ भी किया गया। यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, साक्षात्कार की तैयारी तथा रोजगार के अवसरों से जोड़ने का कार्य करेगा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल से डॉ. दीपक गर्ग ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोनः 0755-4515227, मोबाइलः 9691653088

भोपाल मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का शुभारंभ

डीआरएम परिसर में त्यागी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई स्वच्छता शपथ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

स्वच्छ एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में 17 सितम्बर से 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रथम दिन डीआरएम कार्यालय परिसर में मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे अपने दैनिक जीवन एवं कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ रेलवे परिसर यात्रियों को बेहतर वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ स्वच्छ भारत के संकल्प को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस वर्ष 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान की मुख्य थीम 'स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है। भोपाल मंडल में यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न स्वच्छता, जनभागीदारी एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन, यात्री प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म, रेलगाड़ियां, रेलवे कॉलोनियां, कार्यालय, यार्ड एवं अन्य रेलवे परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही यात्रियों, रेल कर्मचारियों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान के अंतर्गत लंबे समय से गंदगी वाले स्थानों को चिन्हित कर उनकी विशेष सफाई, कचरा हटाने, सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छता के स्थायी प्रबंधन पर कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही कचरे का पृथक्करण, उचित निस्तारण, प्लास्टिक कचरे में कमी तथा सफाई मित्रों की सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण से संबंधित गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। 'स्वच्छता ही सेवा-2026' के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं युवाओं की सहभागिता, चिन्हित गंदगी वाले स्थानों का कायाकल्प, स्टेशन एवं रेलगाड़ियों की विशेष सफाई, स्वच्छता जनजागरूकता अभियान, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश, पर्यटन एवं विरासत स्थलों की सफाई तथा 'कबाड़ से कला' जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 1 अक्टूबर 2026 को प्रातः 8 बजे 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान के अंतर्गत सामूहिक श्रमदान आयोजित किया जाएगा।

संघर्ष, संस्कार और साधना से सजा स्व. मोहन सिंह केवट का प्रेरक जीव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

संघर्ष, संस्कार, स्वाभिमान, गौसेवा, प्रकृति-प्रेम और साधना से सजा स्वर्गीय श्री मोहन सिंह केवट का जीवन अपने आप में प्रेरणा का स्रोत रहा। उनके जीवन पर आधारित विशेष संपादकीय को उनके पुत्र कन्हैया लाल केवट को उनके पिताजी की स्मृति एवं सम्मान के रूप में भेंट किया गया। सांध्य प्रकाश के प्रधान संपादक भरत पटेल एवं पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष, लेखक एवं स्तंभकार सुशील कुमार जैन द्वारा स्व. श्री मोहन सिंह केवट के प्रेरक जीवन पर लिखी गई संपादकीय को विशेष रूप से फ्रेम करवाकर स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किया गया। संपादकीय में स्व. मोहन सिंह केवट के जीवन को एक ऐसे सरल, सहज और कर्मशील व्यक्तित्व के रूप में रेखांकित किया गया है, जिन्होंने अपने जीवन में मेहनत, संस्कार और आत्मसम्मान को सर्वोच्च स्थान दिया। वे माटी से जुड़े किसान थे, जिनके हाथों में हल था और हृदय में गुरु-नाम। उनका जीवन केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं था। मिट्टी को सींचने के साथ अपने परिवार के सपनों को भी सींचा। प्रकृति के प्रति उनका विशेष लगाव रहा और उन्होंने पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान दिया। गौसेवा, आध्यात्मिक साधना और अपने आराध्य के प्रति उनकी श्रद्धा उनके जीवन की महत्वपूर्ण विशेषताएं रहीं।

'एक बगिया माँ के नाम' योजना से सपनों को मिली नई उड़ान

प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प से कालीबाई की बगिया बनी आत्मनिर्भरता का आधार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, महिला-नेतृत्व विकास, जल-संरक्षण और सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संकल्प से देश के दूरस्थ ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। इस बदलाव की प्रेरक तस्वीर भोपाल जिले की जनजातीय बहुल ग्राम पंचायत भानपुर केकड़िया में देखने को मिली है, जहाँ स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती कालीबाई ने अपनी मेहनत और शासन की योजनाओं के सहयोग से आत्मनिर्भरता की नई राह चुनी है। 'एक बगिया माँ के नाम' योजना के अंतर्गत कालीबाई ने अपनी एक एकड़ भूमि पर ड्रैगन फ्रूट के 100 पौधों की बगिया तैयार की है। कभी सीमित संसाधनों के कारण अपने सपने को विस्तार नहीं दे पाने वाली कालीबाई आज आधुनिक बागवानी अपनाकर परिवार के लिए स्थायी आय का आधार तैयार कर रही हैं। उनकी बगिया प्रधानमंत्री श्री मोदी के उस संकल्प को साकार करती दिखाई देती है, जिसमें महिलाओं को केवल योजनाओं की हितग्राही नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सक्रिय नेतृत्वकर्ता बनाने पर बल दिया गया है कालीबाई ने शुरुआत में प्रयोग के तौर पर ड्रैगन फ्रूट के केवल दो पौधे लगाए थे। इन पौधों से अच्छा उत्पादन मिलने पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने बड़े स्तर पर बागवानी करने का निर्णय लिया।

पौराणिक काल से प्रसिद्ध है बहुरूपिया कला

बैरसिया। स्वांग रचने की कला हमारे देश में बहुत प्राचीन है और पौराणिक साहित्य में भी नवरूप धारण करने एवं स्वांग रचने की अनेक कथाएं मिलती हैं। किंतु समय के साथ यह परंपरा भी पीछे छूटती जा रही है। हमारे देश की अनेक सांस्कृतिक परंपराओं में से एक स्वांग रचने की कला है, जिसे बहुरूपिया कला के नाम से जाना जाता है। एक ही कलाकार द्वारा विभिन्न पात्रों का हूबहू स्वांग रचकर सीमित साधनों में पात्रानुकूल वेशभूषा, बोली और विषयगत हाव-भाव के साथ मनोरंजक प्रस्तुति बहुरूपिया कला की विशेषता है। बहुरूपिया कलाकारों का अभिनय इतना स्वाभाविक होता है कि असल और नकल में भेद कर पाना मुश्किल हो जाता है बीते बुधवार को बैरसिया में बहुरूपिया स्वांग रचकर घूम रहे राजस्थान के दौसा जिले के अंतर्गत गांव सेथल निवासी सोनू बहुरूपिया ने बताया कि उनका परिवार बैरसिया क्षेत्र में पीढ़ी-दर-पीढ़ी बहुरूपिया कला का प्रदर्शन कर अपनी आजीविका चलाता आ रहा है। सोनू बहुरूपिया का कहना है कि मनोरंजन के साधनों में आए बदलाव के कारण यह कला धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है।

रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने की उम्मीद, रक्तदाताओं का किया उत्साहवर्धन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

■ एक सत बुलेटिन, **गुना।**

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला अस्पताल, गुना में आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं से आत्मीय मुलाकात की और मानव सेवा के इस पुनीत कार्य के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री सिंधिया ने कहा कि सेवा ही संकल्प है, सेवा ही समर्पण है। रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम भी है। रक्तदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का यह प्रयास किसी परिवार के लिए आशा और जीवन की नई उम्मीद बन सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ मनाना उनके सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर जैसे अभियान समाज में सेवा, संवेदना और सहयोग की भावना को और मजबूत करते हैं। केन्द्रीय मंत्री ने मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में योगदान देने वाले सभी रक्तदाताओं के प्रति हृदय से साधुवाद व्यक्त किया और समाज के अधिक से अधिक लोगों से ऐसे सेवा कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान किया।

जन विश्वास शिविर में बच्ची ने रखी थी पढ़ने के लिए लाइब्रेरी की मांग, प्रशासन ने कराया साकार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की एक प्रेरणादायी मिसाल जनपद पंचायत, फंदा के ग्राम कुराना में देखने को मिली। विगत दिनों ग्राम मुंगालिया हाट में आयोजित जन विश्वास शिविर में ग्राम कुराना की बालिका खुश्बू अहिरवार ने अधिकारियों के समक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु पर्याप्त संसाधन उपलब्ध न होने एवं गांव में कोई भी लाइब्रेरी नहीं होने की समस्या से अवगत कराया था। खुश्बू ने बताया कि उनके घर में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण उसे पढ़ाई करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गांव में कोई भी ऐसा स्थान नही था जहां एकाग्रता से अध्ययन कार्य किया जा सके। बालिका की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने ग्राम कुराना में लाइब्रेरी प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत की टीम ने इस पहल को साकार करते हुए ग्राम कुराना में लाइब्रेरी का संचालन प्रारंभ कराया। लायब्रेरी के शुभारंभ कार्यक्रम पर विधायक श्री विष्णु खत्री की उपस्थिति में बालिका खुश्बु अहिरवार ने फीता काटकार लायब्रेरी का शुभारंभ किया।

संभाग-जिला स्तर पर हर माह प्रथम एवं तृतीय बुधवार को होंगे शिविर

भोपाल। आयुक्त महिला एवं बाल विकास श्री संदीप जी.आर. ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। उनके निर्देशानुसार अब संभाग एवं जिला स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक नियमित समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। हायिका से लेकर जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तक अपनी सेवा संबंधी समस्याएं और आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

ग्राम पंचायत डुंगरिया में सेवा संकल्प अभियान के तहत जलाएं गए आशीर्वाद के दिये

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**

जनपद पंचायत बैरसिया की ग्राम पंचायत डुंगरिया में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत गुरुवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान पीसीओ सरपंच सचिव आंगनवाड़ी कार्यकर्ताए आशा कार्यकर्ताए एवं ग्रामीण जनों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पंचायत भवन एवं मंदिर प्रांगण में आशीर्वाद के दिये प्रज्वलित किए गए कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की एवं ग्रामीणों को सेवा जनकल्याण और समाजहित के कार्यो को आगे बढ़ाने का संकल्प ग्राम पंचायत के सचिव खुमान सिंह मीणा द्वारा दिलाया गया। ग्राम पंचायत भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे। दिये प्रज्वलन के दौरान वातावरण उत्साह और उमंग से भर गया। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश भी दिया गया। ग्राम में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।

भोपाल में इनफिनिटी बिजनेस नेटवर्क मीट आयोजित

बिजनेस को बढ़ाने के लिए नेटवर्किंग को बनाएं अपनी ताकत: हरिओम जटिया

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

इनफिनिटी बिजनेस नेटवर्क की ओर से नर्मदापुरम रोड स्थित एक होटल में बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के करीब 100 व्यवसायियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य बिजनेसमैन को एक-दूसरे से जोड़ना, अनुभव साझा करना और कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग व साझेदारी के नए अवसर तलाशना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एक्सीलेंसी टाइम एंटरटेन्मेंट के प्रबंध संचालक हरिओम जटिया ने व्यवसाय में सफलता के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि कारोबार में सफलता केवल अच्छे उत्पाद या सेवा से नहीं मिलती, बल्कि ग्राहक का विश्वास हासिल करना और व्यावसायिक संबंधों को लगातार मजबूत बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने व्यवसायियों से अपने काम के प्रति स्पष्ट लक्ष्य तय करने, समय का सही उपयोग करने और बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को तैयार रखने की बात कही। जटिया ने कहा कि किसी भी बिजनेस की मजबूत नींव विश्वास, निरंतरता और अच्छे संबंधों पर टिकी होती है। ग्राहक की जरूरत को समझना, उसे बेहतर सेवा देना और किए गए वादे को पूरा करना लंबे समय में व्यवसाय को मजबूती देता है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यवसायी को केवल अपने कारोबार तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि दूसरे व्यवसायियों के अनुभवों से सीखते हुए नए अवसरों की तलाश करते रहना चाहिए। उन्होंने नेटवर्किंग को व्यवसाय के विस्तार का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि सही लोगों से जुड़ने पर नए ग्राहक, नए विचार और सहयोग के अवसर मिलते हैं। व्यवसायियों को एक-दूसरे की जरूरत समझकर आपसी सहयोग और रेफरल के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सकारात्मक सोच, अनुशासन और लगातार सीखते रहने को भी सफलता के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में सनी छाबड़ा, कनक छाबड़ा और सिद्धार्थ मदान ने नेटवर्किंग तथा व्यावसायिक विकास से जुड़े अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि प्रभावी नेटवर्किंग केवल परिचय बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मजबूत व्यावसायिक संबंध बनाकर एक-दूसरे के विकास में सहयोग करना इसका प्रमुख उद्देश्य है। डॉ. आमिर मेहबूब ने नेतृत्व, प्रभावी संवाद और व्यक्तित्व विकास के विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने व्यवसाय में स्पष्ट संवाद, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088